सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 71 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 24 दिसंबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

नगरीय निकाय चुनाव 2024 : दुर्ग, रायपुर व भिलाई सहित 14 निगमों में 27 दिसंबर को महापौर आरक्षण

पालिकाओं व पंचायतों में अध्यक्ष का भी होगा आरक्षण, रायपुर के दीनदयाल ऑडिटोरियम में होगी बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगरीय निकायों में चुनाव के लिए वार्डों के आरक्षण के बाद अब निकायों के महापौर और अध्यक्षों के पदों का आरक्षण 27 दिसंबर को होगा। सभी नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायतों के आरक्षण की कार्रवाई राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में सुबह 10:30 बजे से शुरू होगी। इस बार होने वाले आरक्षण में कई निकायों की स्थिति बदल सकती है। जो सीट सामान्य है वह आरक्षण की भेंट चढ़ सकता है। आरक्षण को लेकर दोनों प्रमुख दलों के दावेदारों में अभी से चिंता देखी जा रही है। संभावना जताई जा रही है कि इस बार रायपुर व भिलाई जैसे बड़े निगम में महापौर आरक्षित वर्ग को चला जाएगा।

बता दें नए साल की शुरुआत या अप्रैल मई में रायपुर, दुर्ग, भिलाई चरोदा निगम सहित कई निकायों में चुनाव होना है। प्रशासन से निकायों में होने वाले चुनावों के लिए आरक्षण की तैयारी कर ली है। इसके लिए आरक्षण 27 दिसंबर को होगा। पिछली बार की तरह इस बार भी निगमों का आरक्षण रोटेशन आधार पर होगा। वर्तमान में राज्य के 14 नगर निगमों में आरक्षण की जो स्थिति है, उसी के आधार पर रोटेशन से नया आरक्षण होगा। चुनाव से पहले राज्य सरकार ने वार्डों का परिसीमन कराया है हालांकि नगरीय निकाय सीमा में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इसलिए लॉटरी से आरक्षण की संभावना नहीं है।

वर्तमान में 14 नगर निगमों से सात अनारक्षित हैं और इनमें से दो अनारक्षित महिला हैं। चार ओबीसी, इसमें से एक ओबीसी महिला के लिए आरक्षित है। दो अनुसूचित जाति, इसमें से एक महिला और एक अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है। पिछले दो चुनावों रायपुर नगर निगम सीट अनारक्षित रही है। संभवना जताई जा रही है कि इस बार रायपुर की सीट अनारक्षित नहीं रहेगी। रायपुर की सीट अन्य पिछड़ा वर्ग को जाने की संभावना जताई जा रही है। इसी प्रकार दुर्ग की सीट भी पिछली बार अनारक्षित रही है और संभावना है कि इस बार यह सीट भी आरक्षण की केटेगरी में आ जाएगा। अब देखना यह है कि कौन सी सीट पर आरक्षण होता है और कौन सी सीट अनारक्षित रह जाती है।

अप्रैल-मई तक टल सकते हैं निकाय चुनाव

छत्तीसगढ़ में चुनाव आयोग द्वारा नगरीय निकाय चुनाव की तैयारियां तो की जा रही हैं लेकिन इसकी पूरी संभावना है कि चुनाव अप्रैल-मई तक टल सकते हैं। चुनाव आयोग के पास राज्य के 10 नगर निगमों, पालिकाओं में चुनाव आचार संहिता लगाने के लिए राज्य सरकार के पास 31 दिसंबर 2024 तक का समय है। यदि 31 दिसंबर तक चुनाव आचार संहिता की घोषणा हो जाती है तो जनवरी में चुनाव होने की पूरी संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि इसकी उम्मीद ज्यादा है कि चुनाव अप्रैल मई तक टल सकते हैं। यदि समय पर आचार संहिता की घोषणा नहीं कर पाती तो चुनाव अप्रैल-मई तक जाना तय हो जाएगा। यदि आचार संहिता अगले साल घोषित होती है तो चुनाव आयोग को नई मतदाता सूची तैयार करनी पड़ेगी। क्योंकि जनवरी 2025 में 18 साल की उम्र पूरी करने वाले युवाओं को मतदाता सूची में शामिल करना होगा और इसके लिए दो से ढाई माह का समय और लग जाएगा। इसके कारण चुनाव की तिथि मई तक टल सकती है।

ऐसे हो सकता है कि 14 नगर निगमों का आरक्षण

आरक्षण के लिए सबसे पहले अनारक्षित सात सीटों में से चार सीटें ओबीसी के लिए लॉटरी से निकाली जाएंगी। चार ओबीसी सीटें निकलने के बाद ओबीसी में से एक सीट महिला ओबीसी के लिए लॉटरी से तय होगी। इस तरह चार सीटें ओबीसी के निकलने के बाद अनारक्षित की तीन सीटें बचेंगी। अनारक्षित तीन और ओबीसी की चार सीटें यानी कुल सात सीटें अनारक्षित के लिए बच जाएंगी। इन अनारक्षित सीटों में से रोटेशन के आधार पर महिला-पुरुष के लिए आरक्षण होगा। भिलाई-चरौदा और रायगढ़ सीटें एससी के लिए आरक्षित हैं। रायगढ़ अभी महिला एससी है।

निगमों में महापौर आरक्षण की वर्तमान स्थिति

अनारक्षित नगर निगमों में रायपुर, बिलासपुर, भिलाई, दुर्ग, कोरबा, जगदलपुर (अनारक्षित महिला) व चिरमिरी (अनारक्षित महिला) शामिल है। इसके साथ ही नगर पालिक निगम धमतरी (ओबीसी), बीरगांव (ओबीसी), रिसाली (ओबीसी) व राजनांदगांव (ओबीसी महिला) है। वहीं नगर पालिक निगम भिलाई चरौदा व रायगढ़ में अनुसूचित जाति महिला के लिए आरक्षित है। इसके अलावा नगर पालिक निगम अंबिकापुर अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है।

खास-खबर

भाजपा विधायक दीपेश साहू पर जानलेवा हमला, पेट्रोल से भरी बोतल फेंकी, एक युवक घायल

बेमेतरा। बेमेतरा से भाजपा विधायक दीपेश साहू पर सोमवार देर रात एक कार्यक्रम के दौरान जानलेवा हमला हुआ जिसमें वो बाल-बाल बच गए। अज्ञात शख्स ने शराब की बोतल में पेट्रोल भर कर विधायक के ऊपर फेंका, गनीमत रही कि यह बोतल दीपेश साहू को न लगकर मंच के पास काम कर रहें साउंड सिस्टम ऑपरेटर को लगी। हमले में युवक के सिर पर चोट आई है।

मिली जानकारी के अनुसार विधायक दीपेश साहू जिला मुख्यालय से सात किमी दूर चारभांठा गांव गए थे। यहां वे गुरु घासी दास जयंती कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। रात 10 से 11 बजे के बीच मंच पर अतिथियों का स्वागत चल रहा था। इसी दौरान अज्ञात शख्स ने शराब की बोतल में पेट्रोल भरकर विधायक दीपेश साहू पर फेंका लेकिन निशाना चूक गया। इस घटना के बाद हड़कंप मच गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आयोजन समिति के खेलुलाल टंडन ने बताया कि इस तरह की घटना हमारे गांव में पहली बार हुई है। पुलिस आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे।

हिरण का शिकार कर जंगल में कर रहे थे पार्टी, पुलिस की दबिश में पकड़ाए गिरफ्तार

जगदलपुर। बस्तर में ग्रामीणों ने जंगल मे एक हिरण का शिकार किया और उसके 17 हिस्से कर के जंगल के अंदर ही पिकनिक मना रहे थे। घटना की जानकारी लगते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस को देख कई लोग भाग गए जिनकी तलाश की जा रही है।

मामले की जानकारी देते हुए कोटमसर रेंज के डिप्टी रेंजर पितवास भारती ने बताया कि सोमवार की शाम 4 बजे जंगल में हिरण का शिकार कर पिकनिक मनाने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही वन विभाग की उड़नदस्ता टीम जंगल मे पहुंची और जंगल के बीच 15 किलो के हिरण का मांस को 17 अलग-अलग हिस्सों में बाटकर सभी पिकनिक मना रहे थे। टीम ने दबिश दी तो कई ग्रामीण भाग गए। मौके से 5 लोगों को वन विभाग की टीम ने पकड़ लिया, पकड़े गए 5 से पूछताछ पर अन्य पांच आरोपियों की तलाश की जा रही है। मौके पर पुलिस हिरण का मांस बरामद किया है। पकड़े गए ग्रामीणों को जेल भेजने की तैयारी की जा रही है।

नए साल में सुप्रीम कोर्ट सुनाएगा कई अहम मामलों में फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट आने वाले साल 2025 में कई अहम मामलों में सुनवाई करेगा. सामाजिक, धार्मिक, पारिवारिक और राजनीति पर इसका व्यापक असर देखने को मिल सकता है। सुप्रीम कोर्ट के पास उपासना स्थल ऐक्ट का परीक्षण, मैरिटल रेप, तीन तलाक, चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति और पीएमएलए जैसे कानूनों की सुनवाई शामिल है। 2025 में सुप्रीम कोर्ट प्लेसेज ऑफ वर्शिप ऐक्ट 1991 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं को सुनेगा। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की स्पेशल बेंच सुनवाई करेगी। यह कानून 15 अगस्त 1947 की स्थिति के अनुसार धार्मिक ढांचों की यथास्थिति बनाए रखने और उनके परिवर्तन के लिए कानूनी कार्यवाही पर रोक लगाता है। सरकार ने अभी तक इस मामले में अपना जवाब दाखिल नहीं किया है।

अटल जयंती पर लोकांगन में नि:शुल्क लर्निंग ड्रायविंग लायसेंस शिविर

▸ **विधायक रिकेश सेन की पहल वैशाली नगर विधानसभा के लोगों को मिलेगा लाभ**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी की जयंती पर वैशाली नगर स्थित लोकांगन में फ्री लर्निंग ड्रायविंग लाइसेंस का एक दिवसीय शिविर विधायक रिकेश सेन के द्वारा लगवाया जा रहा है जिसमें सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक वैशाली नगर विधानसभा के रहवासी जिनके पास ड्राइविंग लायसेंस नहीं है वो शिविर में पहुंच कर टू व्हीलर के लिए नि:शुल्क लर्निंग लाइसेंस बनवा सकेंगे।

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि आजकल बहुत से युवा, स्कूल कालेज विद्यार्थी आने जाने के लिए दुपहिया वाहनों का प्रयोग अवश्य करते हैं मगर उन्होंने अब तक लायसेंस नहीं बनवाया है। हमारे जीवन में अनुशासन और नीति नियमों का पालन बेहद जरूरी होता है। हम सभी को यातायात नियमों का पालन करना चाहिए। बिना लाइसेंस वाहन नहीं चलाना चाहिए। फ्री लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए अटलजी की जयंती पर लोकांगन में 25 दिसंबर को शिविर लगाया जा रहा है जिसमें वैशाली नगर विधानसभा के रहवासी पहुंच कर लर्निंग लाइसेंस अवश्य बनवाएं। श्री सेन ने बताया कि परिवहन विभाग के अधिकारी टीम सहित इस शिविर में मौजूद रहेंगे।

इच्छुक लोग अपना नि:शुल्क पंजीयन करवा कर लर्निंग लाइसेंस शिविर से प्राप्त कर सकेंगे। जिन्हें लर्निंग लाइसेंस बनवाना है उनको परिवहन विभाग द्वारा निर्धारित दस्तावेज के साथ सुबह 9 बजे बुधवार 25 दिसंबर को वैशाली नगर लोकांगन परिसर स्थित शिविर में 8वीं, 10वीं की मार्क शीट या पैन कार्ड (तीनो में से कोई एक), आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड (दोनों में से कोई एक) तथा एक पासपोर्ट साइज़ फोटो (अगर हो तो) लेकर पहुंचना होगा। विधायक रिकेश सेन ने वैशाली नगर विधानसभा के सभी सुधि निवासियों से अपील की है कि सड़क पर वाहन चलाते समय वो यातायात नियमों का पालन अवश्य करें तथा जिनके पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं है शिविर में पहुंच कर लर्निंग लाइसेंस अवश्य बनवा लें।

बीएसपी प्रमुख दासगुप्ता ने बताई अगले वर्ष की प्राथमिकताएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने आगामी वर्ष में दो दिशा में कार्य करने पर विशेष जोर दिया है। इनमें से पहला क्षेत्र है कार्बन डाइऑक्साइड रिडक्शन का, जिसमें इस्पात मंत्रालय द्वारा निर्धारित कार्बन डाइऑक्साइड के एमिशन का लक्ष्य को प्राप्त करना है। श्री दासगुप्ता नेहरू सांस्कृतिक सदन में आयोजित नेहरू पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे।

श्री दासगुप्ता ने कहा कि कार्बन डाइऑक्साइड रिडक्शन का यह लक्ष्य काफी चुनौतीपूर्ण है, पर हमें भरोसा है कि हम सभी मिलाकर इस दिशा में कार्य करके जरूर हमें सफ्लता मिलेगी। उन्होंने कहा मैं अपील करता हूँ जो हमारे विजेता है या जो हमारी टीम है पूरी प्लांट और माइंस की सब की इस दिशा में काम करें और जो भी प्रोजेक्ट है, इम्प्रूवमेंट है उनको जल्द से जल्द है पूरा करें। श्री दासगुप्ता ने कहा कि दूसरा क्षेत्र है कॉस्ट प्रोडक्शन में कमी लाना। यह बहुत ही ध्यान देने योग्य है कि वर्तमान में मार्केट का जो हाल है उसमें प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है। हमें अपने आपको इतना मजबूत कर लेना है और अपने कॉस्ट ऑफ प्रोडक्शन को इतना कॉम्पिटिटिव कर लेना है कि वर्ल्ड में सबसे कॉम्पिटिटिव स्टील हम बनाएं और हमारे देश में हमारा कॉस्ट ऑफ प्रोडक्शन, हमारा कॉम्पिटिशन इतना हो कि कोई हमारे सामने कोई खड़ा ना रह सके. उन्होंने कहा आप इन दोनों दिशाओं में काम कीजिए।

इस अवसर पर नेहरू पुरस्कार प्राप्त करने वाले 572 विजेताओं के साथ ही तमाम ईडी तथा ईडी प्रभारी के साथ ही बीएसपी ओए के अध्यक्ष नरेन्द्र बंछोर, महासचिव परविन्दर सिंह, कोषाध्यक्ष अंकुर मिश्रा, श्रमिक यूनियनों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

तेज रफ्तार बाइक सवार की सड़क हादसे में मौत

बिलासपुर। जिले में तेज रफ्तार ने एक युवक की जान ले ली। स्पोर्ट्स बाइक पर सवार युवक फर्राटे मार रहा था, तभी सामने से आ रहे अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना कोनी थाना क्षेत्र की है।

ग्राम सेमरताल के भदौरिया खार निवासी उरेंद्र लोनिया (20) पिता संतोष लोनिया सोमवार की रात स्पोर्ट्स बाइक पर सवार होकर निकला था। बताया जा रहा है कि उसकी बाइक काफी तेज रफ्तार में थी। अभी वह सेमरताल से निकलकर सेंदरी नेशनल हाईवे पर पहुंचा था, तभी उसकी बाइक अज्ञात वाहन से टकरा गई। अज्ञात वाहन से टकराकर उसकी बाइक सड़क से दूर जा गिरी। वहीं, युवक करीब 20 मीटर तक घसीटता रहा, जिसके चलते उसके पेंट और शर्ट तक निकल गए। युवक के सिर में गंभीर चोटें आई थी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

छलका बीएड करने वालों का दर्द

श्रीकंचनपथ

पहले देश की समस्या अशिक्षा थी। इसे दूर करने के लिए कई तरह के उपक्रम किये गये। लोगों को मिशन मोड पर साक्षर करने का अभियान चलाया गया। आज समस्या उलटी है। अब अति-शिक्षित (ओवर क्वालिफाइड) लोगों की भीड़ है। लोगों के पास तरह-तरह की डिग्री है, भांति-भांति के सर्टिफिकेट हैं। पर ढंग का रोजगार नहीं मिलता। इसलिए कहीं सरकारी चपरासी की वैकन्सी निकलती है तो उसमें ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट तक आवेदन करते हैं। एक-एक पद के लिए हजारों आवेदन पड़ते हैं। वजह एक ही है कि जिन उद्देश्यों को लेकर डिग्रियां हासिल की गई होती हैं, वो अकसर पूरी होती नहीं। लोग उच्च शिक्षा इसलिए हासिल करते हैं कि रोजगार के बेहतर अवसर मिलें। समाज में मान सम्मान मिले। पर हालत यह है कि ग्रैजुएट इंजीनियर सेल्स मैन बन रहे हैं। बीएससी नर्सिंग की डिग्री अब औसतन 10-15 हजार रुपए की नौकरी ही दिला पाती है। जहां तक वेतनमान का सवाल है तो 21वीं सदी के आरंभ में ऑफर होने वाले पैकेजों का बुलबुला फट चुका है। अब वेतन शहर के हिसाब से दिया जाता है। एक ही काम के लिए मुम्बई, पुणे, बेंगलुरू, चंडीगढ़, के लिए दिया जाने वाला पैकेज टीयर-टू के शहरों तक आते-आते 20 फीसद रह जाता है। अर्थात सैलरी का सीधा संबंध अब लिविंग कॉस्ट से जुड़ गया है। अर्थात जहां जीवन धारण करने के लिए ज्यादा पैसे चाहिए, वहीं ज्यादा पैसे दिये जाते हैं। जब लाखों के पैकेज का सपना टूटता है तो लोग टुच्ची सरकारी नौकरियों की तरफमुड़ जाते हैं। कम से कम भविष्य तो सुरक्षित हो जाता है। शादी के बाजार में भी अच्छा भाव मिल जाता है। पर जब बात शिक्षा के क्षेत्र की आती है तो मामला थोड़ा पेचीदा हो जाता है। वैसे तो भारत में शिक्षकों के प्रशिक्षण का इतिहास अत्यंत प्राचीन है। कभी शिक्षण का दायित्व ब्राह्मणों का था। वहीं तकनीकी शिक्षा पारम्परिक ज्ञान पर टिका था। बढ़ई, लुहार, सुतार, राजमिस्त्री, किसान अपने परिवार से ही सीखते थे। यह अप्रेंटिसशिप जैसा था। 19वीं सदी में अंग्रेजों ने अपनी जरूरत के हिसाब से शिक्षा व्यवस्था शुरू की। आजादी के बाद शिक्षा पर ज्यादा गंभीर प्रयास हुए। मौजूदा शिक्षक प्रशिक्षण प्रणाली प्रायमरी को मिडिल और हाईस्कूल से अलग करता है। इसके लिए अलग-अलग पाठ्यक्रम हैं। पर और क्षेत्रों की तरह यहां भी डिग्रियों की मारा-मारी की स्थिति है। प्रायमरी स्कूल के लिए डीएलएड पाठ्यक्रम है जो बीएड के पाठ्यक्रम से भिन्न है। पर नौकरी देने वालों ने इसे कभी महसूस नहीं किया। इसलिए प्रायमरी स्कूल में बीएड वालों को नौकरियां दे दी गई। यह मान लिया गया कि बीएड, डीएलएड से बड़ी डिग्री है। पर बाद में सरकार को लगा कि प्रायमरी में वही शिक्षक होने चाहिए जिन्हें प्रायमरी के लिए ट्रेनिंग दी गई है। अब नौकरी कर रहे बीएड डिग्री धारकों के सामने मुश्किल खड़ी हो गई है। अब प्रायमरी के बीएड टीचर इच्छामृत्यु मांग रहे हैं।

संपादकीय

हर जगह कुम्भ के मेले जैसा नजारा

घूमने के सारे ठिकाने, पर्यटन स्थल चाहे कितने ही मनमोहक क्यों न हों, वहां कुंभ की रेलमपेल मची रहती है। जबकि छुट्टियों का एक मकसद भीड़-भाड़ से दूर जाना भी होता है। भारत भर में पूरे साल हर तरह के पर्यटन स्थल-बीच हों या पहाड़, तीर्थ हों या नेशनल पार्क-हमेशा बुक रहते हैं। हर जगह कुम्भ के मेले जैसा नजारा रहता है।

गहरा नीला आसमान और हवा में झूमते ताड़ के वृक्ष। बालकनी से मैं जमीन पर बिछी सफेद रेत का अंतहीन सिलसिला देख सकती हूँ। धूप ठीक उतनी गर्म है, जितनी होनी चाहिए। दूर कहीं से समुद्र की लहरों के तट से टकराने की आवाज आ रही है। मैं अक्सर मनपसंदीदा रोज' पेय की चुस्कियां लेती हूँ और साथ-साथ बीच में चॉकलेट केक के टुकड़े भी मुँह में डालती हूँ। यहाँ की हर सुबह हेमंत जैसी है और हर शाम, वसंत जैसी। यह स्वर्ग है। यहाँ सपने हकीकत बन जाते हैं। यहाँ आनंद ही आनंद है। और मैं यहाँ तब तक रहूंगी जब तक कि सर्दी का मौसम विदा नहीं हो जाता।

और फिर मेरी आँख खुल जाती है!

> **मैं तो दिल्ली में हूँ-जापान में बने गर्म कपड़े पहनकर, अंग्रेज इंजीनियरों द्वारा डिजाइन किये हुए एयर प्युरिफायर के बगल में! हवा जहरीली है। और आँखें जल रही हैं, नाक बह रही है। मैं रोज़' नहीं बल्कि काढ़ा' पी रही हूँ! चॉकलेट केक' नहीं बल्कि च्यवनप्राश' खा रही हूँ! खिड़की के पास अपनी पसंदीदा कुर्सी पर बैठ कर आकाश में एक के बाद हवाई जहाजों को उड़ान भरते देख रही हूँ! वे अपने यात्रियों को उन सुन्दर जगहों पर ले जा रहे हैं, जहाँ के बारे में मैं केवल सोच सकती हूँ! हाय री किस्मत! मेरा मन खिन्न हो जाता है।**

ईमानदारी की बात तो यह है कि दिल्ली एकदम बेदिल हो गई है। वे चीज़ें जो दिल्ली को एक आकर्षण, एक चरित्र और एक व्यक्तित्व देती थीं, गुमशुदा हैं। यहाँ बहुत ज्यादा लोग हैं, बहुत ज्यादा। हर जगह को खोद डाला गया है, मोहल्लों-सड़कों के नाम बदल दिए गए हैं, नल का पानी काला होता है, हवा काली हो गई है। यह शहर अब चाट प्रेमियों का स्वर्ग नहीं रहा। अब यहाँ मोमो का राज है। अजीब सी मूर्तियाँ-बेढब और निरीह सी-कई जगह ऊग आई हैं। नई उम्र के लड़के-लड़कियों को वे रील बनाने के लिए एकदम उपयुक्त लगती हैं।

शहर में इतनी भीड़ है कि इटली के दूतावास में बड़े दिन, क्रिसमस के मेले में घुसने पर ऐसा लगता है मानों आप कुम्भ मेले में हों। यह शहर एक समय उत्कृष्ट संस्कृतियों और पाक शैलियों का गुलदस्ता था, उनका मिलन स्थल था। अब यहाँ जहर है-हवा में भी और लोगों के दिलों में भी। मैं अपने आप को भाग्यवान मानती हूँ कि मैं उस दिल्ली में पली-बढ़ी जो सदियों से सत्ता का केंद्र थी, जिसकी अपनी शान थी, जो अपने लोगों, अपनी इमारतों और अपने खान-पान के लिए जानी जाती थी। यहाँ की सर्दियों खुशनुमा हुआ करती थी। चमकीली धूप, नीला आकाश और चारों तरफ खिलखिलाते बोगेनविलिया। करीने से छटाई किये हुए पौधों और पेड़ों से भरे पार्कों में हम परिवार या दोस्तों के साथ पिकनिक मनाते, खाना खाते, क्रिकेट और लूडो खेलते या अलसाते हुए अगाथा क्रिस्टी या ब्रोंटी पढ़ते। अचार को सुखाने के लिए छत पर धूप में रखा जाता था, सर्दियों में गर्मी के लिए आलू के चिप्स बनाये जाते थे और माएं बच्चों को जबरदस्ती मूली खिलाती थीं। सैलानी पुरानी दिल्ली की गलियों की खाक छानते थे और इंडिया गेट-जब वह इंडिया गेट हुआ करता था-पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुटती थी। शाम की हवा साफ-सुथरी और ठंडी हुआ करती थी। आप घर में बनी स्वेटरें पहनें अलाव के आसपास बैठकर, हॉट चॉकलेट पीते हुए रेवड़ियाँ टूंगते थे-कुछ-कुछ वैसा ही दृश्य हुआ करता था जैसा कि भारतीय फिल्मों में क्रिसमस का दिखाया जाता है।

मगर अब दिल्ली न तो आदर्श राजधानी बची है और ना ही आदर्श शहर। वह ऐसी जगह भी नहीं है जहाँ आप घूमने जा सकते हैं। पार्कों की कटाई-छटाई नहीं होती और वे हँसते-खेलते परिवारों से भरे नहीं रहते। हवा ऐसी नहीं है जो अचार को अचार बना सके और चिप्स को सुखा सके। विदेशी सैलानियों के लिए दिल्ली अब गोल्डन ट्रायंगल की यात्रा का एक पड़ाव भर है। स्थानीय लोग शहर से बाहर जाने के लिए आतुर रहते हैं-चाहे वह एक वीकेंड के लिए ही क्यों न हो। मैं जानती हूँ कि दिव्य और स्वर्गिक समुद्री बीचों वाले इन देशों के मोदी के भारत से सम्बन्ध बहुत अच्छे नहीं हैं और हमारी सरकार ने ढेर सारे देशी पर्यटन स्थलों के उनसे बेहतर होने के बारे में इतना शोर मचाया है कि गोवा का नाम जुबान पर आ जाना एकदम स्वाभाविक है। मगर समस्या यह है कि हमारे अपने पर्यटन स्थल चाहे कितने ही मनमोहक क्यों न हों, वहां लोगों की रेलमपेल मची रहती है। जबकि क्या छुट्टियां मनाने का एक मकसद भीड़-भाड़ से दूर जाना नहीं होता?

मगर फिर भी, अपने मन को बहलाने के लिए मैंने गोवा, पोंडिचेरी, कोवलम, अंडमान-भारत के लगभग सभी समुद्री तट के पर्यटन स्थलों की यात्रा के लिए फ्लाइट और होटलें खोजना शुरू की। मगर अफसोस, मुझे कहीं भी जाने के लिए फ्लाइट और रुकने के लिए ठीक-ठाक होटल में जगह नहीं दिखी। सब कुछ पहले से ही बुक था-कहीं कोई जगह नहीं है। मैं शायद नीमराना भी नहीं जा पाऊंगी! बहरहाल, एक बार फिर, लगातार पांचवें बरस, मेरा हॉलिडे सीजन दिल्ली में ही कटेगा। हवा और गन्दी होती जाएगी। और चूँकि मेरी कार बीएस-4 है, इसलिए मैं शहर में भी नहीं घूम पाऊँगी। जापान में बने गर्म कपडे पहनकर, अंग्रेज इंजीनियरों द्वारा डिजाईन किये हुए एयर प्युरिफायर के बगल में खिड़की के पास अपनी पसंदीदा कुर्सी पर बैठ कर मैं पेड़ों को धूसर रंग ओढ़ते देखूँगी और देखूँगी धूसर आकाश में उड़ान भरते हवाईजहाजों की टिमटिमाती रौशनियाँ। और कहवा के हर घूँट के साथ यहीं सोचूंगी कि काश मैं भी इनमें से किसी जहाज में बैठी, नीले आकाश और ताड़ के पेड़ों की दुनिया की तरफ उड़ी जा रही होती।

किसानों की बुलंद आवाज थे चौधरी चरण सिंह

नजरिया

किसानों में चौधरी साहब के नाम से मशहूर चौधरी चरण सिंह 3 अप्रैल 1967 में पहली बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे। तब 1967 में पूरे देश में साम्प्रदायिक दंगे होने के बावजूद उत्तर प्रदेश में कहीं पत्ता भी नहीं हिल पाया था। देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह एक व्यक्ति नहीं विचारधारा थे। चौधरी चरण सिंह ने हमेशा यह साबित करने की कोशिश की थी कि किसानों को खुशहाल किए बिना देश का विकास नहीं हो सकता।

रमेश सर्राफ धमोरा

उनकी नीति किसानों व गरीबों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने की थी। वो कहते थे कि देश की समृद्धि का रास्ता गांवों के खेतों और खलिहानों से होकर गुजरता है। उन का कहना था कि भ्रष्टाचार की कोई सीमा नहीं है। जिस देश के लोग भ्रष्ट होंगे वो देश कभी तरक्की नहीं कर सकता।

चौधरी चरण सिंह का जन्म 23 दिसम्बर 1902 को गाजियाबाद जिले के नूरपुर गांव के चौधरी मीर सिंह के घर हुआ था। बाद में उनका परिवार नूरपुर से जानी खुर्द गांव आकर बस गया था। 1928 में चौधरी चरण सिंह ने आगरा विश्वविद्यालय से कानून की शिक्षा लेकर गाजियाबाद में वकालत प्रारम्भ की। 1930 में महात्मा गांधी द्वारा नमक कानून तोडने के समर्थन में चरण सिंह ने हिण्डन नदी पर नमक बनाया जिस पर उन्हे 6 माह जेल की सजा हुई। 1940 के व्यक्तिगत सत्याग्रह में भी चरण सिंह गिरफ्तार किये गये। 1942 में अगस्त क्रांति के माहौल में चरण सिंह को गिरफ्तार कर डेढ़ वर्ष की सजा हुई। जेल में ही चौधरी चरण सिंह की लिखित पुस्तक शिष्टाचार भारतीय समाज में शिष्टाचार के नियमों का एक बहुमूल्य दस्तावेज है।

चौधरी चरण सिंह खुद एक छोटे से गांव में एक किसान के घर जन्मे थे। बचपन से ही उन्होंने गांव के किसानों, गरीबों के दुख: दर्द को नजदीकी से देखा जाना था। इसलिये उन्हें उनकी समस्याओं का बखूबी अहसास था। उनको जब कभी कहीं मौका मिलता वे गांव के किसानों की सेवा करने से नहीं चूकते थे। उनके दिल में हमेशा गांव के किसान ही बसे रहते थे। चौधरी चरण सिंह जीवन पर्यन्त गांधी टोपी धारण कर महात्मा गांधी के सच्चे अनुयायी बने रहे।

उन्होने किसानों की खुशहाली के लिए खेती पर बल दिया था। किसानों को उनकी उपज का उचित दाम मिल सके इसके लिए भी वो बहुत गंभीर रहते थे। उनका कहना था कि भारत का सम्पूर्ण विकास तभी होगा जब किसान, मजदूर, गरीब सभी खुशहाल होंगे। चौधरी चरण सिंह की गिनती हमेशा एक ईमानदार राजनेता के तौर पर की जाती है। उन्होंने जीवन पर्यन्त किसानों की सेवा को ही अपना धर्म माना और अपने अंतिम समय तक देश के गांव में रहने वाले किसानों, गरीबों, दलितों, पीड़ितों की सेवा में ही पूरी जिंदगी गुजारी। चौधरी चरण सिंह जाति प्रथा के कट्टर खिलाफ थे।

आज देश के किसान कर्ज में डूबे हुये हैं। उनको उनकी उपज का पूरा दाम नहीं मिल पाता है। अपनी खराब आर्थिक स्थिति के चलते देश में बड़ी संख्या में किसान आत्महत्या करने को मजबूर हो रहें हैं। केन्द्र व राज्य सरकारें भी किसानों के भले की योजनायें बना पाने में नाकाम रही है। चुनाव के समय राजनीतिक पार्टियां किसानो को झांसा देकर उनके वोट बटोर लेती है। फिर किसी का ध्यान किसानो की समस्याओं के समाधान करने की तरफ नहीं जाता है। ऐसे में आज देश के किसानो को चौधरी चरणसिंह जैसे सच्चे किसान हितैषी नेता की जरूरत है। जो उनके हक में खड़ा होकर किसानो की आवाज बुलन्द कर सके व उनका वाजिब हक दिला सके। चौधरी चरण सिंह भारतीय राजनीति में एक बड़े नेता थे। मगर इंदिरा गांधी के सहयोग से कुछ समय के लिये देश के प्रधानमंत्री बन कर उन्होने देश में पहली बार कांग्रेस के खिलाफ बने एक मजबूत गठबंधन को तोड़ा था। उससे उनकी प्रतिष्ठा को भी गहरा आघात पहुंचा था।

चौधरी चरण सिंह को 1951 में उत्तर प्रदेश सरकार में न्याय एवं सूचना विभाग का कैबिनेट मंत्री बनाया गया। 1952 में डॉक्टर सम्पूर्णानंद के मुख्यमंत्रित्व काल में उन्हें राजस्व तथा कृषि विभाग का दायित्व मिला। एक जुलाई 1952 को उत्तर प्रदेश में उनके बदौलत जमींदारी प्रथा का उन्मूलन हुआ और गरीबों को खेती करने के अधिकार मिले। 1954 में उन्होने किसानों के हित में उत्तर प्रदेश भूमि संरक्षण कानून को पारित कराया। चरण सिंह स्वभाव से भी कृषक थे तथा कृषक हितों के लिए अनवरत प्रयास करते रहे। 1960 में चंद्रभानु गुप्ता की सरकार में उन्हें गृह तथा कृषि मंत्री बनाया गया। उत्तर प्रदेश के किसान चरण सिंह को अपना रहनुमा मानते थे। उन्होंने कृषकों के कल्याण के लिए काफी कार्य किए। लोगों के लिए वो एक राजनीतिज्ञ से ज्यादा सामाजिक कार्यकर्ता थे। उनके भाषण को सुनने के लिये उनकी जनसभाओं में भारी भीड़ जुटा करती थी।

किसानों में चौधरी साहब के नाम से मशहूर चौधरी चरण सिंह 3 अप्रैल 1967 में पहली बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे। तब 1967 में पूरे देश में साम्प्रदायिक दंगे होने के बावजूद उत्तर प्रदेश में कहीं पत्ता भी नहीं हिल पाया था। 17 फरवरी 1970 को वे दूसरी बार मुख्यमंत्री बने। अपने सिद्धांतों से उन्होने कभी समझौता नहीं किया। 1977 में चुनाव के बाद जब केन्द्र में जनता पार्टी सत्ता में आई तो मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री बने और चरण सिंह को देश का गृह मंत्री बनाया गया। केन्द्र में गृहमंत्री बनने पर उन्होंने अल्पसंख्यक आयोग की स्थापना की। 1979 में वे उप प्रधानमंत्री बने। बाद में मोरारजी देसाई और चरण सिंह के मतभेद हो गये। 28 जुलाई 1979 से 14 जनवरी 1980 तक चौधरी चरण सिंह समाजवादी पार्टियों तथा कांग्रेस के सहयोग से भारत के पांचवें प्रधानमंत्री बने।

चौधरी चरण सिंह एक कुशल लेखक भी थे। उनका अंग्रेजी भाषा पर अच्छा अधिकार था। उन्होंने कई पुस्तकों का लेखन भी किया। 29 मई 1987 को 84 वर्ष की उम्र में जब उनका देहान्त हुआ तो देश के किसानो ने सरकार में पैरवी करने वाला अपना नेता खो दिया था। लोगों का मानना था कि चरण सिंह से राजनीतिक गलतियां हो सकती हैं लेकिन चारित्रिक रूप से उन्होंने कभी कोई गलती नहीं की। इतिहास में उनका नाम प्रधानमंत्री से ज्यादा एक किसान नेता के रूप में जाना जाता है। चौधरी चरण सिंह ने ही भ्रष्टाचार के खिलाफ सबसे पहले आवाज बुलन्द करते हुये आह्वान किया था कि भ्रष्टाचार का अन्त ही देश को आगे ले जा सकता है।

चौधरी चरण सिंह, ऐसे शुरू किया था राजनीति का सफर

अटल बिहारी बाजपेयी की सरकार ने 2001 में हर वर्ष 23 दिसम्बर को चौधरी चरण सिंह की जयंती को राष्ट्रीय किसान दिवस के रूप में मनाने की जो परम्परा शुरू की थी उससे जरूर उनको साल में एक दिन याद किया जाने लगा है। आज किसानो कि हालात को देखकर चौधरी चरणसिंह जैसे देश के बड़े किसान नेता की याद आना स्वाभावित ही है। मौजूदा समय में चौधरी चरणसिंह जैसा नेता होता तो किसानो को उनका वाजिब हक मिलने से कोई नहीं रोक सकता था। चौधरी चरण सिंह जैसे किसानो के बड़े नेता द्वारा किसानो के हित में किये गये कार्यों को देखते हुये वर्षो पूर्व ही उनको भारत रत्न सम्मान मिलना चाहिये था। मगर सरकारों की अनदेखी के चलते उनको वर्षों तक उचित सम्मान नहीं मिल पाया। नरेन्द्र मोदी सरकार ने चौधरी चरण सिंह जैसे सच्चे बड़े व सच्चें किसान नेता को भारत रत्न प्रदान कर सच्ची श्रृद्धांजलि अर्पित की है। इससे देश के करोड़ों किसानों के साथ ही सरकार का भी सम्मान बढ़ा है।

(ये लेखक के विचार हैं)

बहुउद्देश्यीय पैक्स - ग्रामीण अर्थव्यवस्था के बदलाव का कारक

डॉ. हेमा यादव

> भारत में लगभग 2,70,000 ग्राम पंचायतें हैं, फिर भी इनमें से कई स्थानीय निकाय प्राथमिक कृषि ऋण समितियों, डेयरी और मत्स्य सहकारी समितियों से वंचित हैं। ऋण, आवश्यक सांमग्री, बाजार और रोजगार प्रदान करने में इन प्राथमिक-स्तर की सहकारी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए, मोदी सरकार ने अब तक सरकारी संस्थाओं से वंचित ग्राम पंचायतों में नई बहुउद्देश्यीय प्राथमिक कृषि सहकारी समिति, यानि, बहुउद्देश्यीय पैस्क, और डेयरी और मत्स्य सहकारी समितियां स्थापित करने की योजना लेकर आयी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सहकार से समृद्धि' के दृष्टिकोण के अनुसार, बहुउद्देश्यीय पैक्स ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की आधारशिला बन जाएगी, जिसका लक्ष्य प्रत्येक गांव में कम से कम एक ऋण, डेयरी, या मत्स्य सहकारी समिति होना है। यह पहल डेयरी, मत्स्य पालन, अन्य क्षेत्रों में ऋण पहुंच और व्यावसायिक अवसरों को बढ़ाने पर केंद्रित है ।

देश के हर गांव और पंचायत को कवर करने के लिए 2 लाख नई बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि सहकारी समितियां स्थापित करने की योजना केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में जारी है और यह पहल ग्रामीण समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए सहकारिता मंत्रालय की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस योजना को दो आयामी कार्ययोजना के साथ लागू किया जा रहा है;

1. अगले पांच वर्षों में सभी पंचायतों और गांवों को कवर करने वाली नई बहुउद्देशीय पैक्स, डेयरी और मत्स्य सहकारी समितियों की स्थापना

2. मौजूदा सहकारी समितियों का सुदृढ़ीकरण

अगले पांच वर्षों में 70,000 बहुउद्देशीय पैक्स, 56,000 नई बहुउद्देशीय डेयरी सहकारी समितियां और 6,000 नई बहुउद्देशीय मत्स्य सहकारी समितियां स्थापित करने तथा मौजूदा समितियों को मजबूत करने का लक्ष्य है।

मार्गदर्शिका का क्रियान्वयन

इस योजना के सफल क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा एक मार्गदर्शनिका का शुभारंभ किया गया है। इस पुस्तिका में मानक प्रक्रियाओं, लक्ष्यों, समयसीमाओं, विशिष्ट भूमिकाओं और जिम्मेदारियों और एक निगरानी तंत्र की रूपरेखाएं दी गई हैं। बहुद्देशीय पैक्स के लिए दिशानिर्देशों ने राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों दोनों को योजना को संरचित तरीके से निष्पादित करने में सक्षम बनाया है । बहुउद्देश्यीय पैक्स के गठन में नाबार्ड, एनडीडीबी और एनएफडीबी जैसे भागीदार सक्रिय रूप से शामिल हैं। इस पहल का एक महत्वपूर्ण पहलू डेयरी प्रसंस्करण और अवसंरचना कोष, राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम और प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना सहित भारत सरकार की योजनाओं का अभिसरण है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा योजना का प्रभावी क्रियान्वयन एक निर्दिष्ट समय सीमा के भीतर संतुलित विकास की सुविधा प्रदान कर रहा है। राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तरीय समितियों के साथ-साथ अंतर-मंत्रालय समिति के माध्यम से प्रभावी समन्वय स्थापित किया गया है। सहकारिता मंत्रालय के द्वारा नियमित निगरानी और समर्थन इसके प्रभावी कार्यान्वयन को मजबूती प्रदान करता है।

राज्यों की उपलब्धियां

राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस के अनुसार देश में 10,458 नए बहुउद्देशीय पैक्स पंजीकृत किए गए हैं। बहुउद्देशीय डेयरी सहकारी समितियों, बहुउद्देशीय मत्स्य सहकारी समिति और बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों के गठन से ग्रामीण पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार होगा और लोगों के लिए अपार अवसर खुलेंगे। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था में छोटे और सीमांत किसानों, वंचित और कमजोर लोगों की भागीदारी में सुधार होगा। आकांक्षी और वंचित जिलों और पंचायतों में बहुउद्देशीय पैक्स के माध्यम से सदस्य-केंद्रित और समावेशी विकास मॉडल से ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर कई गुना प्रभाव पड़ेगा।

उत्तराखंड ने 2018 से प्राथमिक कृषि ऋण समितियों के विविधीकरण और आधुनिकीकरण में अग्रणी भूमिका निभाई है। 2023 में मॉडल उपनियमों की शुरूआत ने सहकारी समितियों को बहुउद्देशीय कृषि सहकारी समितियों में विकसित होने के लिए प्रेरित किया। इन समितियों ने कम्प्यूटरीकरण को अपनाया है, जिससे वे कॉमन सर्विस सेंटर, जन औषधि केंद्र, एलपीजी वितरण केंद्र और पेट्रोल खुदरा दुकानों को संचालित करने में सक्षम हो गए हैं। ओडिशा में 1,529 बहुउद्देश्यीय पैक्स हैं जो आकांक्षी जिलों के साथ पूरी तरह से एकीकृत हैं, जो प्रभावी कार्यान्वयन और सार्थक क्षेत्रीय परिणाम सुनिश्चित करते हैं। महत्वपूर्ण भौगोलिक और क्षेत्रीय असमानताओं की विशेषता वाले राजस्थान ने डेयरी सहकारी समितियों पर विशेष जोर देते हुए 738 बहुउद्देशीय पैक्स स्थापित किए हैं। इसी तरह, गुजरात और महाराष्ट्र बहुउद्देश्यीय पैक्स की स्थापना करके ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बदलने के उद्देश्य से व्यापक जागरूकता और आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से लगातार प्रगति कर रहे हैं।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा

भारत के ग्रामीण क्षेत्र में कृषि, डेयरी, मत्स्य पालन, पशुधन और मुर्गीपालन जैसी महत्वपूर्ण गतिविधियाँ हैं जो आजीविका का स्रोत हैं, हालाँकि ऋण और बाज़ार तक पहुँच में ग्रामीण क्षेत्रों को अक्सर बाधाओं का सामना करना पड़ता है। मॉडल उपनियमों के संबल से बहुउद्देश्यीय पैक्स राष्ट्रीय आर्थिक विकास में ग्रामीण अर्थव्यवस्था की भागीदारी को बढ़ाएगा।

आवश्यक बुनियादी ढाँचे के साथ बहुउद्देशीय पैक्स की स्थापना, ऑनलाइन और भौतिक दोनों बाजारों तक बेहतर पहुँच, प्रौद्योगिकी का एकीकरण और कृषि मशीनीकरण को अपनाने से सप्लाई चेन में काफी मजबूती आएगी, जिससे अंततः किसानों और उत्पादकों को फायदा होगा । कृषि, डेयरी और मत्स्य पालन क्षेत्रों में खेत से लेकर खाने तक के बीच प्रभावी चेन या लिंकेज बनाने के लिए, एकत्रीकरण, कृषि-लॉजिस्टिक्स और उत्पादकों को बाजार की जानकारी प्रदान करना महत्वपूर्ण है, जिससे वे बेहतर रूप से बाजार की मांग को पूरा कर सकें। यह दृष्टिकोण लाखों उत्पादकों को अवसरों का लाभ उठाने और उन्हें उनके बाजारों का विस्तार करने, उनके उत्पादों को उचित मूल्य और स्थायी आय और आजीविका प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा।

लेखक निदेशक, वैमनीकॉम हैं

मैं हूं सदैव अटल

(हेमेन्द्र क्षीरसागर, बालाघाट, मप्र)

25 दिसंबर 1924 को मध्यप्रदेश के ग्वालियर में श्रीमती कृष्णा देवी-कृष्ण बिहारी वाजपेयी के घर जन्मे अटल बिहारी वाजपेयी के पास चार दशक से अधिक समय का संसदीय अनुभव था। वे 1957 से संसद सदस्य रहे हैं। वे 5 वीं, 6 वीं, 7 वीं लोकसभा और फिर उसके बाद 10 वीं, 11 वीं, 12 वीं और 13 वीं लोकसभा में चुनाव जीतकर पहुंचे। इसके अलावा 1962 और 1986 में दो बार वे राज्यसभा के सदस्य भी रहे। वर्ष 2004 में वे पांचवी बार लगातार लखनऊ से चुनाव जीतकर लोक सभा पहुंचे थे। वाजपेयी जी इकलौते नेता हैं जिन्हें चार अलग-अलग राज्यों उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश और दिल्ली से चुनाव जीतकर लोकसभा पहुंचने का गौरव हासिल है।

गौरवशाली कार्यकाल

अभूतपूर्व एक प्रधानमंत्री के तौर पर उनका कार्यकाल इतना गौरवशाली रहा कि एक दशक के बाद भी उस कार्यकाल को न सिर्फ याद किया जाता है, बल्कि उस पर अमल भी किया जाता है। इसमें पोखरण परमाणु परीक्षण, आर्थिक नीतियों में दूरदर्शिता आदि शामिल हैं। आधारभूत संरचना के विकास की बड़ी योजनाएं जैसे प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, नदी जोड़ो योजना, राष्ट्रीय राजमार्ग और स्वर्णिम चतुर्भुज योजनाएं भी इनमें शामिल हैं। बहुत ही कम ऐसे प्रधानमंत्री हुए जिन्होंने समाज पर इतना सकारात्मक प्रभाव छोड़ा।

हार नहीं मानूंगा

स्तुत्य, अटल जी की शिक्षा के दौरान कई साहित्यिक, कलात्मक और वैज्ञानिक उपलब्धियां उनके नाम रहीं। उन्होंने राष्ट्रधर्म, पाञ्चजन्य के अलावा दैनिक अखबारों जैसे स्वदेश और वीर अर्जुन का संपादन किया। इसके अलावा भी उनकी बहुत सी किताबें प्रकाशित हुईं जिनमें मेरी संसदीय यात्रा-चार भाग में, मेरी इक्यावन कविताएं, संकल्प काल, शक्ति से शांति, अमर बलिदान, कैदी कविराज की कुंडलियां इमरजेंसी के दौरान जेल में लिखी गई कविताओं का संकलन आदि प्रमुख हैं। कवि मन सदैव अटल आज भी जनमन में आलोकित है। कंठहार हार नहीं मानूंगा, रार नहीं ठानूंगा, काल के कपाल पर लिखता मिटाता हूँ..।

संयुक्त राष्ट्र में गूंजी हिंदी

शुचिता की राजनीति के प्रतिपालक अटल बिहारी वाजपेयी 1951 में जनसंघ के संस्थापक सदस्य और फिर 1968-1973 में भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष और 1955-1977 तक जनसंघ संसदीय पार्टी के नेता रहे। वह 1977 से 1980 तक जनता पार्टी के संस्थापक सदस्य के रूप में और 1980 से 1986 तक भाजपा के अध्यक्ष रहे। साथ ही 1980-1984, 1986, 1993-1996 में वे भाजपा संसदीय दल के नेता रहे। ग्यारहवीं लोक सभा के दौरान वह नेता विपक्ष के पद पर रहे। इससे पहले मोरारजी देसाई की सरकार में उन्होंने 24 मार्च 1977 से 28 जुलाई 1979 तक विदेश मंत्री का पदभार भी संभाला। दौरान पहली बार हिंद की हिंदी गूंजी। कंठ था मां भारती के ऐसे सपूत का जिसकी वाकपटुता और भाषण-कौशल के मुरीद विरोधी खेमे में भी रहे। 4 अक?टूबर 1977 को संयुक?त राष?ट्र के मंच से करीब 43 मिनट बोले। वह दौर शीतयुद्ध के चरम का था। पूरी दुनिया किसी न किसी के पाले में थी। भारत की उस वक?त में गुटनिरपेक्षता की आवाज बुलंद कर रह थे अटल बिहारी वाजपेयी।

दृढ़निश्चय के एक साल

अटल, अटल के 1998-99 के प्रधानमंत्री के कार्यकाल को दृढ़निश्चय के एक साल के रूप में जाना जाता है। इसी दौरान 1998 के मई महीने में भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया था जिन्होंने परमाणु परीक्षण को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। फरवरी 1999 में पाकिस्तान बस यात्रा ने उपमहाद्वीप की परेशानियों को सुलझाने के लिए एक नए दौर का सूत्रपात किया। इसे चहुंओर प्रशंसा मिली। इस मामले में भारत की ईमानदार कोशिश ने वैश्विक समुदाय में अच्छा प्रभाव छोड़ा। बाद में जब मित्रता का यह रूप धोखे के रूप में कारगिल के तौर पर परिलक्षित हुआ तब भी वाजपेयी जी ने विषम परिस्थितियों का सफलतापूर्वक मुकाबला किया और घुसपैठियों को बाहर खदेड़ने में सफलता हासिल की।

नवरत्न में समाहित

आदर, अटल बिहारी वाजपेयी को राष्ट्र के प्रति उनके सेवाओं के मद्देनजर वर्ष 1992 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। उन्हे सर्वश्रेष्ठ संसद सदस्य आदि पुरस्कार से नवाजा गया। इससे पहले 1993 में कानपुर विश्वदविद्यालय ने मानद डॉक्ट्रेट की उपाधि से नवाजा था। 2015 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न की उपाधि से अलंकृत किया गया। गमगीन 16 अगस्त 2018 को भारत के महारत्न अटल, अनंत के नवरत्न में समाहित हो गए। प्रेरणापुंज मै अटल था, मैं अटल हूं और मैं अटल रहूंगा का मूलमंत्र सदैव अटल हो गया। महामना की जन्म शताब्दी पर विनम्र शब्दांजलि!

(ये लेखक के विचार हैं)

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

खास खबर

रफी शतवार्षिकी पर आज कार्यक्रम

भिलाई। मशहूर पार्श्व गायक मो. रफी की जन्म शतवार्षिकी के अवसर पर 24 दिसम्बर की शाम नेहरू सांस्कृतिक सदन सेक्टर-1 में संगीत संध्या का आयोजन किया गया है। सांसद विजय बघेल डालफिन ग्रुप द्वारा आयोजित इस संगीत संध्या के मुख्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डेय करेंगे। आईजी राम गोपाल गर्ग एवं एसपी जितेन्द्र शुक्ला कार्यक्रम के विशेष अतिथि होंगे। यह जानकारी डॉलफिन ग्रुप के डॉ जमीर फैजी ने दी। कार्यक्रम संध्या 6.30 बजे प्रारंभ होगा।

सुरधारा का अलविदा 2024 कार्यक्रम 29 को

भिलाई। प्रतिष्ठित सुरधारा ग्रुप द्वारा बीत रहे वर्ष 2024 को विदाई देने के लिए 29 दिसम्बर को मैत्रीबाग में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। सुरधारा की संचालिका ज्योति ध्रुव ने बताया कि सुरधारा म्यूजिकल फाउंडेशन दुर्ग के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में दृष्टिबाधित बच्चे भी गीतों की सुरमयी प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम दोपहर 2 बजे प्रारंभ होगा।

प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन 27 दिसम्बर को

दुर्ग। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग द्वारा जिले में नियोजक द्वारा उपलब्ध रिक्त पदों को भरने के लिए प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन 27 दिसम्बर को सुबह 10.30 बजे से जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग में किया जाएगा। प्लेसमेंट कैम्प में यशोदा नंदन चिल्ड्रन हॉस्पिटल सिंधी कॉलोनी दुर्ग में 10 पदों, एलआईसी ऑफ इंडिया सिविक सेंटर सेक्टर-6 भिलाई में 100 एवं एलआईसी ऑफ इंडिया नेहरू नगर भिलाई में 150 पदों पर भर्ती की जाएगी। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र दुर्ग के उप संचालक श्री आर.के.कुर्रे के अनुसार इच्छुक आवेदक समस्त शैक्षणिक मूल प्रमाण एवं अंकसूची, पहचान पत्र रोजगार कार्यालय का पंजीयन पत्रक, छ.ग.निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र के साथ उपस्थित हो सकते हैं। पदों, योग्यता, आयु एवं अनुभव से संबंधित जानकारी आवेदक प्लेसमेंट कैम्प स्थल पर प्राप्त कर सकते हैं।

ग्रामीण क्षेत्र के युवक-युवतियों को 26 दिसम्बर को दिया जाएगा निःशुल्क प्रशिक्षण

दुर्ग। बैंक ऑफ बड़ौदा ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान दुर्ग भारत सरकार द्वारा संचालित एक प्रशिक्षण संस्थान है, जो ग्रामीण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है। इसी उद्देश्य की प्राप्ति हेतु दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा जिले के ग्रामीण क्षेत्र के युवक-युवतियों को 26 दिसम्बर को दो पहिया मैकेनिक के लिए निःशुल्क आवासीय (भोजन व्यवस्था के साथ) प्रशिक्षण दिया जाएगा।

छत्तीसगढ़ सरकार गठन के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में महतारी वंदन सम्मेलन का हुआ आयोजन

विष्णु के सुशासन में बढ़ा महिलाओं का सम्मान

- नारी को आदिशक्ति के रूप में पूजा जाता है - विधायक ललित चंद्राकर
- कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं पर्यवेक्षकों का हुआ सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ सरकार गठन के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिले में विधानसभावार महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से महतारी वंदन सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र दुर्ग ग्रामीण के ग्राम पंचायत चिंगरी में, विधानसभा क्षेत्र भिलाई नगर के खुर्सीपार वार्ड क्र. 45 में श्रीराम चौक के पास एवं विधानसभा क्षेत्र पाटन में खूबचंद बघेल सामुदायिक भवन में सम्मेलन का आयोजन किया गया।

ग्राम पंचायत चिंगरी में आयोजित कार्यक्रम

में दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र विधायक ललित चंद्राकर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि हमारे देश में नारी को जैसा सम्मान मिलता है वैसा पूरे विश्व में नहीं मिलता। यहां नारी को आदिशक्ति के रूप में पूजा जाता है। मां के रूप में पहचाना जाता है। आज का यह कार्यक्रम समस्त नारियों को समर्पित है। उन्होंने कहा हमारी सरकार ने जो कहा है वह किया है। प्रदेश की सरकार नारियों को विशेष महत्व देते हुए महिलाओं की गर्भवती अवस्था से लेकर प्रसव होने तक एवं आगे पढ़ाई करने के लिए व गृहस्थ जीवन में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने के लिए सभी नारी वर्ग को योजनाओं से जोड़ रही है। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सम्मानित होने वाली समस्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, पर्यवेक्षक एवं सुपरवाइजर तथा सभी महिलाओं को शुभकामनाएं दी। विधायक ललित चंद्राकर ने महिला बाल विकास द्वारा संचालित स्व सहायता समूह के माध्यम से लगाए गए स्टॉल का अवलोकन किया। उन्होंने स्टाल में स्व सहायता समूह के माध्यम से तैयार किए गए विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का लुफ्त उठाया। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, पर्यवेक्षक एवं सुपरवाइजर तथा महतारी वंदन योजना की हितग्राही महिलाओं को सम्मानित किया गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं में ग्राम चिंगरी के आंगनबाड़ी के.क्र. 01 की नंदनी देशमुख, आंगनबाड़ी के.क्र. 02 की ललिता निर्मलकर, आंगनबाड़ी के. क्र. 03 की चित्ररेखा गायकवाड़, पिसेगांव आंगनबाड़ी के.क्र. 03 की राजेश्वरी बांधे, ग्राम बिरेझर आंगनबाड़ी के.क्र. 03 की असम निषाद, ग्राम थनौद के आंगनबाड़ी के.क्र. 04 की संध्या गायकवाड, करंजाभिलाई आंगनबाड़ी के.क्र. 01 की खुशबू तिवारी, जेवरा आंगनबाड़ी के.क्र. 02 की होमेश्वरी साहू, अरसनारा आंगनबाड़ी के.क्र. 03 की सुमन कोसरे, खेदामारा आंगनबाड़ी के.क्र. 02 की दुर्गा नारंग, रिसामा आंगनबाड़ी के.क्र. 02 की लीला ठाकुर, मचांदुर आंगनबाड़ी के.क्र. 03 की जयंती साहू, भेड़सर आंगनबाड़ी के.क्र. 01 की दीपक गौतम, डांडेसरा आंगनबाड़ी के.क्र. 01 की सरस्वती गौतम, खाड़ा की मालती देशमुख, आलबरस आंगनबाड़ी के.क्र. 01 की मीना शर्मा, खुरसूल आंगनबाड़ी के.क्र. 02 की राधा निर्मलकर, हनोदा आंगनबाड़ी के.क्र. 03 की सुनिता चंदेल और पाऊवारा आंगनबाड़ी के.क्र. 02 की धनेश्वरी साह शामिल है। इसी प्रकार आंगनबाड़ी सहायिकाओं को भी सम्मानित किया गया। जिनमें चिंगरी आंगनबाड़ी के.क्र. 01 की भगवती देशमुख, के.क्र. 02 की चम्पा निर्मलकर और के.क्र. 01 की रेणु देशलहरा शामिल है। इसी क्रम में पर्यवेक्षकों को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान महतारी वंदन योजना की लाभार्थी महिलाओं को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का संदेश पत्र ''विष्णु के पातिर'' का वितरण किया गया। मुख्यमंत्री का शुभकामना संदेश पाकर लाभार्थी प्रोत्साहित हुए और सभी ने सरकार की संवेदनशीलता के प्रति आभार जताया। इस दौरान महतारी वंदन योजना की लाभार्थी महिलाओं को भी सम्मानित किया गया। जिसमें ग्राम पंचायत मतवारी की ललिता साहू, जेवरा की डुमेश्वरी साहू, ग्राम अंजोरा की अरूणा सोनी, ग्राम बेलौदी की रोहनी देशमुख, ग्राम खेदामारा की ज्योति पटेल, ग्राम बोरई की पुष्पा शिवहरे, ग्राम चिखली की बम्लेश्वरी उमरे, ग्राम अण्डा की रेखा चन्द्राकर, मिनाक्षी चन्द्रकर, काजोल साहू, और इन्दु साहू, ग्राम अरसनारा की संतोषी साहू, पिपरछेड़ी की सोहद्रा निषाद, ग्राम चिंगरी की हेमलता यादव, ग्राम चिंगरी की प्रेमा देशमुख, पार्वती निर्मलकर, हेमलता देशमुख, यामिनी बाघमारे और सकुन देशमुख, ग्राम उमरपोटी की महेश्वरी सोनवानी और ग्राम मचान्दूर की जयंती साहू शामिल है।

बीएसपी के 572 कार्मिकों एवं अधिकारियों को नेहरू पुरस्कार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी द्वारा इस वर्ष 572 को कार्मिकों एवं अधिकारियों को नेहरू पुरस्कार से नवाजा गया है। इनमें 33 अधिकारियों को जवाहर पुरस्कार, 65 कार्मिकों को नेहरू पुरस्कार और 62 समूहों के 474 कर्मचारियों को जवाहरलाल नेहरू समूह पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि, निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता एवं कार्यपालक निदेशकों ने विजेताओं को सम्मानित किया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में ईडी (वर्क्स) अंजनी कुमार, ईडी (प्रोजेक्ट) एस मुखोपाध्याय, ईडी (एमएम) अजय कुमार चक्रबर्ती, ईडी (एफएंडए) डॉ अशोक कुमार पंडा, ईडी (एचआर) पवन कुमार, ईडी माइंस बीके गिरी, सीएमओ प्रभारी डॉ एम रविन्द्रनाथ, ईडी प्रचालन (प्रचालन) राकेश कुमार, ईडी (रावघाट) अरुण कुमार उपस्थित थे। साथ ही बीएसपी ओए के अध्यक्ष एवं सेफी चेयरमैन एनके बंछोर, महासचिव परविंदर सिंह, कोषाध्यक्ष अंकुर मिश्रा भी उपस्थित थे।

संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने कर्मचारियों की असाधारण मेहनत और योगदान के लिए आभार व्यक्त किया और सभी पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को बधाई दी। कर्मचारियों के उत्कृष्ट योगदान और नवाचार विचारों को सराहा। उन्होंने कहा कि इसमें प्राप्त राशि नहीं बल्कि सम्मान प्रेरित करती है। विजेताओं के साथ ही उनके परिवार भी बधाई के पात्र हैं जिनके सहयोग के बिना यह संभव नहीं है। समारोह का संचालन महाप्रबंधक (एचआर- नॉन वर्क्स एंड माइनस) जेएन ठाकुर (मास्टर ऑफ सेरेमनी) तथा महाप्रबंधक (एचआर-मेडिकल, नॉन वर्क्स) आर रंजानी (मास्टर ऑफ सेरेमनी) द्वारा किया गया। सम्मान प्राप्त कर्मचारियों के कार्यों का विवरण और उनके प्रशस्ति पत्र की उद्घोषणा वरिष्ठ प्रबंधक (एचआर-एचआरआईएस) निशा बाउल (साइटेशन रीडर्स) वरिष्ठ प्रबंधक (एचआर-एमपीएस और रिक्रूटमेंट) अनुराधा साहा (साइटेशन रीडर्स) द्वारा किया गया। समारोह का धन्यवाद ज्ञापन महाप्रबंधक (एचआर-स्ट्रेटेजिक एचआर) एच शेखर द्वारा दिया गया।

डुडेरा-जोरातराई वासियों ने की शराब दुकान हटाने की मांग

जनदर्शन में 105 आवेदन प्राप्त हुए

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के निर्देश पर आज एडीएम अरविंद एक्का ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन कार्यक्रम में पहुंचे जनसामान्य लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने जनदर्शन में पहुंचे सभी लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और समुचित समाधान एवं निराकरण करने संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही कर आवश्यक पहल करने को कहा। डिप्टी कलेक्टर हितेश पिस्दा भी जनदर्शन में मौजूद थे। जनदर्शन में पेयजल, आवास, अवैध कब्जा, आवासीय पट्टा, प्रधानमंत्री आवास, भूमि सीमांकन कराने, ग्राम में कोटवार की नियुक्ति कराने, आर्थिक सहायता राशि दिलाने सहित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं से संबंधित आज 105 आवेदन प्राप्त हुए। जनदर्शन के दौरान डून्डेरा जोरातराई ग्रामवासियों ने डून्डेरा जोरातराई मुख्यमार्ग में स्थित शराब दुकान को अन्यत्र स्थापित करने आवेदन दिया। जिससे लोगों को खास कर महिलाओं और स्कूली बच्चों को आने-जाने में बहुत ही दिक्कत का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों द्वारा इस संबंध में पहले भी आवेदन प्रस्तुत किया गया था।

राष्ट्रीय सायकल पोलो प्रतियोगिता में भाग लेगी छत्तीसगढ़ की महिला टीम

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भारतीय सायकल पोलो महासंघ द्वारा कोयंबतूर तमिल नाडु में 25वीं सीनियर महिला, 27वीं जूनियर बालिका, 21वी सब जूनियर बालिका एवं महिला फेडरेशन कप राष्ट्रीय सायकल पोलो प्रतियोगिता आयोजित किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की टीमें भी भाग लेंगी।

इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ी एवं कोच मैनेजर ने छत्तीसगढ़ साइकिल पोलो संघ के मुख्य संरक्षक विजय बघेल (सांसद, दुर्ग लोकसभा) से मुलाकात की। इस दौरान सांसद बघेल ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। इस अवसर में नरेंद्र बंछोर (अध्यक्ष बीएसपी साइकलिंग क्लब, अध्यक्ष ऑफिसर्स एसोसिएशन, चेयरमैन सेफी, परविंदर सिंह अध्यक्ष बीएसपी सायकल पोलो क्लब, संघ के अध्यक्ष डॉ रमेश श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष सुधीर बंसल एवं प्रमोद सिंह, विनायक चन्नावार (संयुक्त सचिव, भारतीय सायकल पोलो महासंघ), कोषाध्यक्ष तोशेंद्र वर्मा, बीना मिश्रा, देवप्रकाश वर्मा (मुख्य प्रशिक्षक), सहायक कोच अभिषेक जायसवाल एवं शशांक देशमुख आदि उपस्थित थे।

भारतीय सायकल पोलो महासंघ के संयुक्त सचिव विनायक चन्नावार एवं छत्तीसगढ़ साइकिल पोलो संघ के उपाध्यक्ष प्रमोद सिंह ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि छत्तीसगढ़ साइकिल पोलो की सीनियर महिला टीम पिछले 7 वर्षों से लगातार स्वर्ण पदक हासिल करते आई हैं, वहीं जूनियर बालिका विगत 11 वर्षों से एवं सब जूनियर बालिका टीम विगत 15 वर्षों से लगातार स्वर्ण पदक पर अपना कब्जा जमाए हुए हैं। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ की सब जूनियर बालिका टीम में खुशबू साहू (कप्तान), लीना साहू, रागनी निर्मलकर, निशा देवांगन, लक्ष्मी यादव, लावण्या ध्रुव, अंशिका मेहता व धात्री देशमुख शामिल है।

वहीं शशांक देशमुख (कोच) व मंदाकिनी यादव (मैनेजर) होंगी। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ जूनियर बालिका टीम में ज्योति साहू (कप्तान), पूनम देवी, ईसीता सिन्हा, तोमेश्वरी साहू, चंचल कश्यप, सुमन साहू, वेदिका साहू व रागनी निर्मलकर शामिल हैं। अभिषेक जायसवाल (कोच) व बीना मिश्रा (मैनेजर) होंगी। इसके अलावा सीनियर महिला टीम में लक्ष्मी निर्मलकर (कप्तान), यामिनी पटेल, पायल ठाकुर, पूनम देवी, इसीता सिन्हा, ज्योति साहू, खुशबु साहू व लीना साहू शामिल हैं। टीम के कोच देवप्रकाश वर्मा तथा मैनेजर बीना मिश्रा होंगी।

हाइटेक में पर्थीज का सफलता पूर्वक हुआ इलाज 10 लाख लोगों में होते हैं सिर्फ 4 मामले

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। हाइटेक सुपरस्पेशालिस्ट हॉस्पिटल में पर्थीज डिसीज से ग्रस्त एक 11 वर्षीय बालक का सफलता पूर्वक इलाज किया गया। यह रोग 10 लाख लोगों में केवल 4 लोगों में पाया जाता है। इस अत्यंत विरल स्थिति में जांघ की हड्डी के ऊपर का हिस्सा (फीमरल नेक) सूखने लगता है और साकेट से बाहर की ओर निकल आता है। इसके कारण रोगी को असहनीय पीड़ा होती है. उसका चलना फिरना या हिलना डुलना तक बंद हो जाता है।

अस्थि रोग एवं प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ दीपक सिन्हा ने बताया कि यह एक अत्यन्त विरल स्थिति थी. इसके विषय में पहले गहन अध्ययन किया, अन्य अस्थि शल्य चिकित्सकों से भी बात की. इसके बाद लाइन ऑफ ट्रीटमेंट तय किया गया। डॉ दीपक सिन्हा ने बताया कि यह रोग आम तौर पर 4 से 10 साल की उम्र के बीच सामने आता है। रक्त संचार में रुकावट के कारण फीमरल नेक मृतप्राय हो जाता है। आरंभिक अवस्था में रोगी को कूल्हे अथवा घुटने में दर्द होने लगता है और वह लंगड़ाकर चलने लगता है। बाद में दर्द इतना बढ़ जाता है कि हिलना डुलना तक मुश्किल हो जाता है। आरंभिक स्थिति में फिजियोथेरेपी तथा घरेलू कसरतों से आंशिक लाभ मिल सकता पर सर्जरी ही इसका स्थायी इलाज है। रोगी को ठीक होने में कुछ महीनों से लेकर सालों लग सकते हैं। रोगी के परिजनों से चर्चा करने के बाद सर्जरी करना निश्चित किया गया। इसके तहत जांघ की हड्डी के ऊपरी हिस्से में वी-कट लगाया गया। एक इम्लांट की मदद से ऊपरी हिस्से की गोली को कूल्हे के साकेट में पहुंचाया गया। इस इम्प्लांट का एक हिस्सा जांघ की हड्डी के निचले हिस्से के भीतर तथा दूसरा हिस्सा फीमरल नेक के बाहर से फिक्स किया गया। सर्जरी के तुरन्त बाद बच्चे की तकलीफ खत्म हो गई। फिलहाल बच्चे के पैरों को विशेष प्रकार के प्लास्टर में रखा गया है। प्लास्टर कटने के बाद उसे फिजियोथेरेपी की आवश्यकता होगी।

समग्र शिक्षा के तहत स्पेशल एजुकेटर एवं स्पीच थैरेपिस्ट के पदों पर नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित

दुर्ग। प्रबंध संचालक राज्य परियोजना कार्यालय रायपुर द्वारा समग्र शिक्षा के तहत स्पेशल एजुकेटर के (31 मार्च 2025 तक) के पद पूर्ति हेतु एवं स्पीच थैरेपिस्ट के पदाकंन हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित है। इस कार्य में स्पेशल एजुकेटर (शा.प्रा.शा पी.एम बानबरद हेतु) एवं स्पीच थैरेपिस्ट (दुर्ग जिले के समस्त विकासखंड हेतु) का मानदेय 20000 रूपए प्रतिमाह प्रदाय किया जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारी से मिली जानकारी अनुसार इच्छुक आवेदक अपना आवेदन स्वयं अथवा पंजीकृत डाक से जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा दुर्ग में 31 दिसम्बर 2024 तक कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकते है।

खास खबर...

सेजबहार में शिव महापुराण कथा आज से, जाम से बचने अपनाएं ये रूट

रायपुर। राजधानी के सेजबहार में पंडित प्रदीप मिश्रा की शिव महापुराण कथा 24 दिसंबर से 30 दिसंबर तक आयोजित की जाएगी। कथा का समय दोपहर 1 बजे से 4 बजे तक होगा। इस कार्यक्रम में प्रतिदिन लगभग दो लाख से अधिक श्रोताओं के शामिल होने की संभावना है। इस वजह से टिकरापारा, संतोषीनगर से सेजबहार जाने वाली सड़क पर सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक श्रोताओं की भारी भीड़ रहेगी।

रायपुर यातायात पुलिस ने भारी माल वाहक वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित करने के साथ ही सेजबहार इंजीनियरिंग कॉलेज व भखारा होकर धमतरी आवागमन करने वाले सभी लोगों से अपील की है कि वे धमतरी-कुरूद-अभनपुर-माना-रायपुर रोड का उपयोग करें। कथा सुनने वालों की भीड़ की वजह से वे जाम में फंस सकते हैं।

महतारी वंदन सम्मान कार्यक्रम : बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ बनाने दिलाई शपथ

रायपुर। राज्य सरकार के सफलतम एक वर्ष पूरे होने के अवसर पर रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में महतारी वंदन सम्मान कार्यक्रम का

आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के विधायक मोतीलाल साहू भी शामिल हुए। सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना से लाभान्वित होने वाली महिलाओं को इस अवसर पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने छत्तीसगढ़ को बाल विवाह मुक्त राज्य बनाने के लिए सभी संभव प्रयास करने की शपथ भी ली।

इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पाती का भी वाचन किया गया और सभी लाभान्वित महिलाओं को बेहतर भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गई। कार्यक्रम में लगाए गये स्वास्थ्य कैम्प में महिलाओं के बीपी और शुगर की जांच की गई। कार्यक्रम स्थल पर ही आधार कैम्प में आधार पंजीयन और सुकन्या समृद्धि योजना के तहत भी खाते खोले गये। फुगड़ी, महिला रस्साकशी, निम्बू चम्मच स्पर्धा, महिला कुर्सी दौड़ के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर बीरगांव नगर निगम के महापौर नंदलाल देवांगन नेता प्रतिपक्ष ओमप्रकाश साहू, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप सहित पार्षद होरीलाल देवांगन, भारती नंदू चंद्राकर और अन्य जन प्रतिनिधि भी मौजूद रहें।

सालेम इंग्लिश स्कूल में धूमधाम से मनाया गया 55वां वार्षिक उत्सव

रायपुर। सालेम इंग्लिश स्कूल ने अपना 55वां वार्षिक उत्सव 21 दिसंबर को बड़े उत्साह

और उमंग के साथ मनाया। यह कार्यक्रम परम्परागत दीप प्रज्ज्वलन और प्रार्थना से शुरू हुआ, जिसमें विद्यार्थियों ने अपने उत्कृष्ट सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया। गीत, नृत्य, और नाटिका जैसे रंगारंग कार्यक्रमों ने पूरे माहौल को संगीतमय और जीवंत बना दिया।

इस अवसर पर डायोसस ऑफ छत्तीसगढ़ की बिशप राइट रेव्ह. सुषमा कुमार, विधायक पुरन्दर मिश्रा, डायोसिस ऑफ छत्तीसगढ़ के सचिव नितिन लॉरेन्स, सीडीबीई के सचिव जयदीप रॉबिन्सन, और वरिष्ठ पत्रकार जॉन राजेश पॉल ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती रूपिका लॉरेन्स के नेतृत्व में 600 से अधिक विद्यार्थियों ने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया। प्रधानाचार्या ने शाला की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए विद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। छत्तीसगढ़ की पारंपरिक वेशभूषा में कक्षा 9वीं से 12वीं के छात्रों ने राज्य की सांस्कृतिक विरासत को नृत्य के माध्यम से खूबसूरती से प्रस्तुत किया। इसके अलावा, विद्यालय के लगभग 100 छात्रों के समूह ने जिना इसी का नाम है गीत का मधुर गायन किया, जिसे आर्केस्ट्रा के साथ प्रस्तुत किया गया और जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

राज्य के रेशम विस्तार कृषकों ने किया अध्ययन व भ्रमण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य में सिल्क समग्र योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत विभाग द्वारा जिलों में रेशम विस्तार के लिए कृषकों का चयन किया जा रहा है। चयनित कृषकों के यहां भूमि की मिट्टी शहतूत पौधरोपण के उपयुक्त पाये जाने पर, सिंचाई का साधन तथा सुरक्षा व्यवस्था होने पर कृषकों का चयन किया जा रहा है, जिनको सिल्क समग्र योजना के तहत उन्नत किस्म के शहतूत के पौधे, कृमि पालन गृह, कृमि पालन उपकरण, सिंचाई हेतु अतिरिक्त व्यवस्था के लिए, निरोगीकरण के कार्यों हेतु राशि उपलब्ध करायी जा रही है।

सिल्क समग्र योजना केन्द्रीय रेशम बोर्ड के द्वारा राज्य सरकारों को दी जा रही है, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आन्ध्रप्रदेश तथा कर्नाटक जैसे अग्रणी राज्यों में सिल्क समग्र योजना का लाभ लेकर रेशम कृमिपालन किया जा रहा है एवं गुणवत्ता युक्त ककून उत्पादन किया जा रहा है, जिसे कृषकों के द्वारा 6 सौ रुपए से लेकर बाजार के अनुसार 9 सौ रुपए प्रति किलो की दर से आय मात्र 26 दिवसों में की जा रही है। इस कार्य से कृषक मात्र 26 दिवसों में 66 हजार से 1 लाख तक की आय अर्जित कर रहे हैं। छग राज्य के चयनित कृषकों को महाराष्ट्र के वर्धा जिले में सिल्क समग्र से लाभ लेकर उत्पादन कर अधिक आय अर्जित करने वाले कृषकों के कार्यों का अवलोकन करवाया गया। 27-29 नवंबर 2024 तक आयोजित 3 दिवसीय अध्ययन भ्रमण में कृषकों से चर्चा, उनके द्वारा किये जा रहे प्रगतिशील कार्य, तकनीकी कार्यों हेतु व्यवस्था, कार्यों हेतु सावधानियां, वैज्ञानिक उपाय, उत्पादन, बाजार व्यवस्था, भुगतान की प्रक्रिया, राशि की प्राप्ति, तथा आगामी वर्षों के लिए कार्य योजनाएं तथा इस कार्य में महिलाओं की सहभागिता, आय अर्जन इत्यादि समस्त विषयों पर चर्चाएं की गई। महाराष्ट्र राज्य रेशम संचालनालय के तकनीकी अधिकारी भी इस दौरान उपस्थित रहे।

उन्होने सभी कृषकों को रेशम उत्पादन के लिए प्रेरित किया, अपने कृषकों से चर्चा करवाए तथा भविष्य के लिए आवश्यकता पड़ने पर सहयोग देने की बात कही । छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से 100 कृषकों ने अध्ययन भ्रमण में भाग लिया साथ ही क्रियान्वित जिलों के जिलाधिकारी भी इस अध्ययन भ्रमण में शामिल हुए।

राजधानी में 27 से 31 दिसम्बर तक जनजातीय खिलाड़ियों का जमावड़ा

बूढ़ादेव की प्राण प्रतिष्ठा और धरतीमाता के पूजन से शुरू हुई तैयारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी में 24वीं राष्ट्रीय वनवासी क्रीड़ा प्रतियोगिता की तैयारियां तेज हो गई है। सोमवार को शबरी कल्याण आश्रम परिसर में बने नयें मंदिर में बूढ़ादेव की प्राण प्रतिष्ठा और साइंस कॉलेज मैदान पर भूमि पूजन से प्रतियोगिता के आयोजन की तैयारियों की शुरूआत हुई। अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम से संम्बद्ध संस्था वनवासी विकास समिति छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित की जा रही यह प्रतियोगिता 27 से 31 दिसम्बर तक रायपुर में होगी।

प्रतियोगिता में लगभग 23 राज्यों के आठ सौ से अधिक जनजातीय बालक-बालिकाएं भाग लेंगे। प्रतियोगिता में फुटबॉल और तीरंदाजी की प्रतिस्पर्धायें होंगी। फुटबॉल की प्रतिस्पर्धाएं कोटा स्टेडियम और पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय मैदान पर होंगी। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए सभी तैयारियां तेजी से की जा रही हैं।धरती माता के पूजन और बूढ़ा देव की प्राण प्रतिष्ठा पूजा में अमर बंसल, सचिव स्वागत समिति, डॉ अनुराग जैन सचिव वनवासी विकास समिति, उमेश कच्छप, अध्यक्ष वनवासी विकास समिती छत्तीसगढ़, प्रवीण ढोलके क्षेत्रीय संगठन मंत्री, सुभाष बड़ोले क्षेत्रीय सह संगठन मंत्री, राम नाथ कश्यप प्रान्त संगठन मंत्री, कृष्ण कुमार वैष्णव टी ए सी मेंबर,रवि गोयल,गोपाल बियानी श्रीमती माधवी जोशी, संदीप शर्मा सन एंड सन ग्रुप, कैलाश मुरारका राष्ट्रीय तीरंदाजी संघ उपाध्यक्ष, अजय काले अध्यक्ष महाराष्ट्र मंडल उपस्थित रहे ।

वनवासी विकास समिति के प्रचार-प्रसार प्रभाग के प्रभारी राजीव शर्मा ने बताया कि देशभर में जनजातीय खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने और उन्हें पहचान कर भविष्य के राष्ट्रीय खिलाड़ी तैयार करने के उद्देश्य से यह प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। इस बार 24वीं प्रतियोगिता राजधानी रायपुर में हो रही है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में अण्डमान निकोबार से लेकर दिल्ली, पंजाब तक के लगभग 23 राज्यों से जनजातीय खिलाड़ी शामिल होंगे। तीरंदाजी की प्रतियोगिता जूनियर और सब जूनियर वर्ग में बालक-बालिकाओं के लिए होगी। फुटबॉल प्रतियोगिता में जूनियर सब जूनियर वर्ग में जनजातीय बालक अपने खेल का जौहर दिखाएंगे।

शर्मा ने बताया कि विभिन्न प्रांतों से प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए रायपुर आने वाले जनजातीय खिलाड़ियों के आवास और भोजन की व्यवस्था वनवासी विकास समिति द्वारा की जा रही है। रोहणीपुरम स्थित शबरी कन्या आश्रम परिसर में बालिकाओं को रखा जाएगा। सरस्वती शिशु मंदिर और सरस्वती शिक्षा संस्थान परिसरों में बालकों के आवास की व्यवस्था रहेगी। सभी के लिए शबरी कल्याण आश्रम परिसर में नास्तें और भोजन की व्यवस्था की गई है। आवास स्थल से खेल मैदान तक आने-जाने के लिए खिलाड़ियों को वाहन व्यवस्था भी उपलब्ध कराई जाएगी। प्रतियोगिता में विजेताओं को मेडल और ट्रॉफी के साथ प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिता के आयोजन के लिए छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों से भी कल्याण आश्रम के प्रतिनिधि रायपुर आ चुके हैं।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति रायपुर को मिला 'नराकास राजभाषा सम्मान'

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में मंडल रेल प्रबंधक संजीव कुमार की अध्यक्षता में मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर की 67वीं बैठक आयोजित की गई । बैठक के दौरान रेलवे बोर्ड द्वारा जारी मानक कार्यसूची के अनुसार जुलाई-सितंबर 2024 अवधि की मंडल पर हुई राजभाषा प्रगति की समीक्षा की गई।

अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक बजरंग अग्रवाल ने मंडल रेल प्रबंधक को बधाई देते हुए कहा कि उनकी अध्यक्षता में संचालित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर को गृह मंत्रालय, भारत सरकार का राजभाषा सम्मान प्राप्त हुआ है । 'क' क्षेत्र होने के कारण हमें अपने कार्यालयों में शत-प्रतिशत कार्य हिंदी में करना चाहिए । आज कई प्रकार के साधन उपलब्ध हैं जिनसे टायपिंग, अनुवाद आदि आसानी से किए जा सकते हैं । अत: आप सभी अधिक से अधिक कार्य हिंदी में करें ताकि रायपुर मंडल राजभाषा के प्रयोग-प्रसार में भी सदैव आगे बना रहे।

मंडल रेल प्रबंधक संजीव कुमार ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि नराकास, रायपुर को मध्य क्षेत्र के छत्तीसगढ़ तथा मध्यप्रदेश राज्यों में स्थित कुल 57 नराकास में से नराकास राजभाषा सम्मान का तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है, इसके लिए आप सभी भी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि उपलब्धियों का यह क्रम निरंतर बना रहेगा। उन्होंने राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार के लिए ई-टूल्स आदि विभिन्न संचार साधनों का उपयोग करने का निदेश दिया।

राजभाषा हिंदी का प्रयोग-प्रसार एक संवैधानिक कर्तव्य है जिसका अनुपालन करना केंद्र सरकार के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए अनिवार्य है। इसी आधार पर रायपुर मंडल में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही नियमित रूप से आयोजित की जाती है। हम राजभाषा हिंदी के लिए निर्धारित लक्ष्यों पूरा करने की दिशा में प्रयासरत हैं। तथापि हमें संतुष्ट नहीं होना है तथा पूरी गंभीरता एवं लगन से राजभाषा संबंधी कार्यों को निष्पादित करना है। उन्होंने आशा व्यक्त कि मंडल के सभी अधिकारी हिंदी के प्रचार-प्रसार में ऐसे ही तत्पर रहेंगे तथा अपने अधीनस्थों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे।

बैठक का संचालन राजभाषा अधिकारी निकेश कुमार पाण्डेय ने किया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक की समाप्ति की घोषणा की गई।

राजधानी में अवैध प्लाटिंग पर तेज होगी कार्रवाई कलेक्टर-एसएसपी ने दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर जिले में अवैध प्लाटिंग और अतिक्रमण के खिलाफकार्रवाई और तेजी से की जाएगी। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने सोमवार को समय-सीमा की साप्ताहिक बैठक में अवैध प्लाटिंग के मामलों पर तेजी से कार्रवाई करने के सख्त निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिए है। उन्होंने पटवारियों, राजस्व निरीक्षकों सहित तहसीलदारों और अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग और अतिक्रमण पर पैनी निगाह रखने और शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश भी बैठक में दिए।

उन्होंने कहा कि राजस्व एवं निगम के प्रत्येक कर्मचारी एवं अधिकारी संबंधित क्षेत्र पर नजर रखें। जहां पर भी अतिक्रमण या अवैध प्लॉटिंग होता दिखे उसे प्रारंभिक मे ही रोक लिया जाए। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज कलेक्टोरेट परिसर स्थित रेडक्रॉस सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक ली। उन्होंने ज़िले के नगर निगम तथा अन्य नगरीय निकायों में अतिक्रमण से संबंधित प्राप्त शिकायतों को पुलिस, राजस्व और नगर निगम से समन्वय स्थापित कर तत्काल निराकरण करने निर्देश दिया। कलेक्टर ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के पूर्व पुलिस को अवश्य सूचना देने को भी कहा। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि राशन कार्डधारियों के लिए ई-केवाईसी का कार्य जल्द से जल्द पूर्ण किया जाएं। सभी ब्लॉकों में ई-केवाईसी के कार्यों में प्रगति लाई जाएं और इसकी रिपोर्ट जल्द से जल्द भेजी जाएं।

बैठक में कलेक्टर ने 70 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाने के काम में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशनों, दिव्यांगजन पेंशन आदि के प्रकरणों को भी समय-सीमा में निराकृत करने को कहा। कलेक्टर डॉ. सिंह ने राजस्व संबंधी प्रकरणों को तेजी से निराकृत कर लंबित प्रकरणों में कमी लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ. सिंह ने बैठक में जन चौपाल, जन शिकायत व समय सीमा प्रकरणों पर कार्यवाही की अद्यतन प्रगति की समीक्षा की। डॉ सिंह ने विभागीय अधिकारियों से हर एक लंबित आवेदन के बारे में जानकारी ली और सभी का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह, नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप समेत अन्य जिला स्तरीय अधिकारी भी उपस्थित थे।

कलेक्टर के हाथों दृष्टिबाधित छात्रा मुस्कान को मिला लैपटॉप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के हाथों लैपटॉप मिलने के बाद खमतराई निवासी दृष्टिबाधित दिव्यांग छात्रा मुस्कान कुमारी पटवारी का खुशी का ठिकाना नहीं रहा। दिव्यांग छात्रा मुस्कान टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ़ सोशल साईसेंस मुंबई में एम.एस.डब्ल्यू की पढ़ाई कर रही है। मुस्कान को पढ़ाई में दिक्कतें होती थी, लेकिन लैपटॉप मिलने के बाद अब मुस्कान अपना सुनहरा भविष्य गढ़ सकेगी। साथ ही कलेक्टर डॉ. सिंह ने इंस्टीट्यूट में आगे की पढ़ाई के लिए 1.50 लाख रूपए का चेक भी प्रदान किया गया। इस राशि से वह अपनी पढ़ाई कर सकेगी और उसके भविष्य को संवारने में मदद भी मिलेगी। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह एवं एसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने दिव्यांग छात्रा मुस्कान को शुभकामनाएं दी।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने आर्म रेसलिंग पैरा आर्म रेसनी कप के दिव्यांग विजेताओं को सम्मानित किया और 20-20 हजार रूपए का चेक प्रदान किया। गुढ़ियारी निवासी जी. संदीप कुमार ने आर्म रेसलिंग पैरा आर्म रेसलिंग कप के विजेता रहे है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय खेल में भारत को तृतीय स्थान में मेडल जीता है। साथ ही डीडी नगर निवासी होरी लाल यादव ने आर्म रेसलिंग पैरा आर्म रेसलिंग कप के प्रतिभागी रहे है। कलेक्टर ने दोनों दिव्यांग खिलाड़ियों को सम्मानित कर शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप भी उपस्थित थे।

महिलाएं भूलकर भी न करें ये गलतियां, नहीं तो मां बनने के सुख से रह जाएंगी वंचित

खराब जीवनशैली और लाइफस्टाइल का असर हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है। इनमें से अधिकतर महिलाएं बांझपन की समस्या से जूझ रही हैं। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण खराब खानपान के कारण हार्मोनल इनबैलेंस, थॉयराइड और पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम जैसी बीमारियां हैं। पीरियड्स के दौरान होने वाली समस्याओं का सीधा कनेक्शन खराब खानपान और लाइफस्टाइल के कारण होता है। जिसकी वजह से कम उम्र की महिलाएं भी इनफर्टिलिटी की शिकार होती है। आइए जानते हैं इसके बारे में। पीसीओएस यानी पॉलिटिशियन अंडाशय सिंड्रोम ऐसी ही एक बीमारी जिसकी चपेट में आज दुनियाभर की करीब 116 मिलियन महिलाएं हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, पीसीओएस एक ऐसी सामान्य स्थिति है, जो महिलाओं में एक उम्र के बाद दिखाई देने लगती है। जो महिलाओं के अंडाशय को प्रभावित करता है।

पीसीओएस के लक्षण

पीसीओएस के कई समान लक्षण हैं। इनमें से कुछ सबसे पहले चेहरे पर नजर आते हैं। जब महिलाओं में एण्ड्रोजन या पुरुष हार्मोन का स्तर अधिक होता है, तो इसके संकेत चेहरे पर पाए जाते हैं एण्ड्रोजन पीसीओएस से संबंधित मुँहासे का कारण बनते हैं। अगर किसी महिला के चेहरे के ठुड्डी और गर्दन के आस-पास मुंहासे हैं तो ये पीसीओएस के लक्षण हो सकते हैं।

इन बीमारियों के कारण महिलाओं में होती है समस्या

- ओव्यूलेशन संबंधी समस्याएं
- पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम
- हार्मोनल असंतुलन
- तनाव और मोटापा
- शरीर का कम वजन
- थायरॉइड की समस्या

पीसीओएस का इलाज

अगर किसी महिला को पीसीओएस की समस्या है तो सबसे पहले उसे अपनी जीवनशैली में बदलाव करना चाहिए। अगर वजन बढ़ रहा है तो उसे नियंत्रित करना सबसे जरूरी है। अपने दिनचर्या में एक्सरसाइज और पौष्टिक-संतुलित आहार को शामिल करने से इस समस्या का से बचा जा सकता है।

'गुम है किसी के प्यार में' को अंकिता खरे ने कहा अलविदा!

अनुपमा से रातोंरात बाहर हुई अलीशा परवीन के बाद अब टीवी के एक और पॉपुलर शो की एक्ट्रेस के फैंस को झटका लगने वाला है। जी हां, भाविका शर्मा और हितेश भारद्वाज स्टारर गुम है किसी के प्यार में हरिणी का किरदार निभा रहीं एक्ट्रेस अंकिता खरे अब इस शो में नजर नहीं आएंगी। क्या टीआरपी की रेस में सबसे आगे रहने वाले इस शो में नया मोड़ आने वाला है या फिर कुछ नया देखने को मिलने वाला है। सोशल मीडिया पर कई दिनों से एक्ट्रेस के शो छोड़ने की खबर चल रही थी।

सवी की भाभी बन मचाई थी धूम

हितेश भारद्वाज और भाविका शर्मा अभिनीत शो गुम है किसी के प्यार में 20 साल के लीप के बाद से ही अपने दर्शकों का मनोरंजन करने में लगा हुआ है। कुछ समय पहले ही इस डेली सोप की कहानी में बड़ा बदलाव देखने को मिला था। अब एक बार फिर से अंकिता खरे के शो छोड़ने के बाद बड़ा बदलाव देखने को मिलने वाला है क्योंकि हरिणी की भूमिका निभाने वाली एक्ट्रेस अंकिता खरे सवी और रजती की कहानी का अब हिस्सा नहीं होंगी। अंकिता खरे के शो से चले जाने के बाद दर्शक एक्ट्रेस की स्क्रीन पर उनकी मौजूदगी को जरूर मिस करेंगे। उन्होंने इस शो में भाविका शर्मा उर्फ सवी की भाभी का किरदार निभा कर पहचान बनाई है।

यह खबर टीवी एक्ट्रेस अंकिता खरे के फैंस के लिए हैरान करने वाली बात है क्योंकि उनके किरदार और कहानी के लिए उन्हें लोगों के खूब प्यार मिला है। अंकिता शो को अलविदा कहने की तैयारी कर रही हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, एक्ट्रेस ने अपने फैसले के बारे में प्रोडक्शन हाउस को पहले ही अपडेट कर दिया है। हालांकि, ये शो कई सालों से रेटिंग चार्ट के टॉप 5 में रहा है। लेकिन, उसके इस किरदार के जाने से टीआरपी में थोड़ी गिरावट देखी जा सकती है।

तमन्ना के जन्मदिन पर प्रशंसकों को मिला तोहफा, ओडेला-2 का नया पोस्टर जारी

तमन्ना भाटिया वर्तमान में ओडेला 2 में अभिनय कर रही हैं, जो 2021 की हिट ओडेला रेलवे स्टेशन की बहुप्रतीक्षित अगली कड़ी है। अशोक तेजा द्वारा निर्देशित, फिल्म ने पहले ही महत्वपूर्ण रुचि जगा दी है। तमन्ना ने नागा साधु की भूमिका निभाई है, एक ऐसा किरदार जिसने प्रशंसकों के उत्साह को बढ़ाया हुआ है। इसी बीच तमन्ना के जन्मदिन के अवसर पर फिल्म से उनका खतरनाक लुक जारी कर दिया गया है।

तमन्ना भाटिया को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए, ओडेला 2 के निर्माताओं ने एक नए पोस्टर का अनावरण किया, जिसमें अभिनेत्री को एक खतरनाक नागा साधु अवतार में दिखाया गया है। पोस्टर में उन्हें खोपड़ियों के एक मैदान में साहसपूर्वक चलते हुए दिखाया गया है, जिसके ऊपर उड़ते हुए गिद्ध एक तनावपूर्ण माहौल बना रहे हैं।

यह पोस्टर फिल्म में उनके किरदार की गहन और शक्तिशाली प्रकृति का संकेत देता है। तमन्ना भाटिया ने अपनी भूमिका के लिए कठोर प्रशिक्षण लिया है, जिसमें दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने वाले लुभावने स्टंट को परफेक्ट करने के लिए व्यापक रिहर्सल भी शामिल हैं। ओडेला 2 एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव का वादा करती है, जो तमन्ना द्वारा चित्रित अच्छाई और वशिष्ठ द्वारा चित्रित बुराई के बीच तीव्र टकराव पर केंद्रित है।

फिल्म की कहानी एक गांव के आसपास केंद्रित है, और कैसे इसके सच्चे रक्षक ओडेला मल्लन्ना स्वामी हमेशा अपने गांव को बुरी ताकतों से बचाते हैं। फिल्म के लिए संगीत अजनीश लोकनाथ द्वारा तैयार किया गया है, जो कंतारा में अपने काम के लिए मशहूर हैं। छायांकन प्रतिभाशाली साउंडराजन एस द्वारा किया जा रहा है। कला निर्देशन राजीव नायर के नेतृत्व में है। ऐसी कुशल और गतिशील तकनीकी टीम के साथ, ओडेला 2 एक अविस्मरणीय सिनेमाई अनुभव का वादा करती है।

लाडली से मिलवाने नारंगी गाउन पहनकर आईं दीपिका, नहीं हटी नजर

दीपिका पादुकोण 2018 में रणवीर सिंह से शादी करने के 6 साल बाद 2024 में एक बेटी की मां बनी हैं। जिसकी झलक उन्होंने अभी फैंस को नहीं दिखाई है, लेकिन पैप्स के लिए स्पेशल मीट प्लान की गई। जहां सभी कपल की लाडली से मिले, तो न्यू मॉम का निखार दिल जीत गया।

बॉलीवुड के पावर कपल दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह 8 सितंबर को बेटी के माता-पिता बने हैं। जिसका नाम उन्होंने दुआ पादुकोण सिंह रखा। जिसकी एक झलक पाने के लिए फैंस बेताब हैं, तो उन्होंने अभी अपनी नन्ही गुड़िया का फेस रिवील नहीं किया है। लेकिन, इस सबके बीच अब कपल ने पैपराजी को अपने घर पर बुलाया और अपनी बिटिया रानी से मुलाकात कराई। लेकिन, साथ ही उनसे विनती की वे दुआ की तस्वीरें न खींचें।

हालांकि, यहां दीपिका और रणवीर ने सभी के साथ फोटो क्लिक कराई। जहां न्यू मॉम के चेहरे पर ग्लो साफनजर आया, तो नारांगी गाउन में उनकी खूबसूरती भी देखते ही बनी। वहीं, पापा बने रणवीर भी शर्ट पैंट पहन स्टाइलिश लुक में नजर आए। ऐसे में प्रेस मीट में दुआ के मां- पापा लाइमलाइट बटोर ले गए।

मैक्सी ड्रेस में प्यारी लगीं दीपिका

दीपिका का प्रेग्नेंसी फैशन ऑन पॉइंट रहा है, तो अब पोस्ट प्रेग्नेंसी फैशन में भी वह अपने स्टाइल से सबको दीवाना बना रही हैं। कुछ दिनों पहले दीपिका दिलजीत दोसांझ के कॉन्सर्ट में जींस और हुडी पहन कुल अवतार में पहुंची थीं, तो अब मैक्सी ड्रेस में वह बेहद प्यारी लगीं। जिसे उन्होंने बड़े ही शानदार तरीके से कैरी किया। इस ड्रेस को गौरी और नैनिका ने कस्टम करके हसीना के लिए बनाया, तो शलीना नैथानी ने उन्हें स्टाइल किया।

दीपिका की वाइब्रेंट ऑरेंज कलर की मैक्सी ड्रेस की हॉल्टर नेकलाइन है। जिसकी - लाइन स्कर्ट में दोनों साइड स्लिट पॉकेट और स्ट्रैट हेम दी गई है। जहां फ्लोई सिल्हूट पूरी तरह से कंफर्ट के साथ स्टाइल का परफेक्ट कॉम्बिनेशन दे गया, जो पोस्ट प्रेग्नेंसी फैशन के लिए हसीना की परफेक्ट चॉइस साबित हुआ।

नेचुरल मेकअप ने इनहैंस किया लुक

दीपिका ने एक्सेसरीज को हैवी न करते हुए अपने लुक को सिंपल और एलिगेंट रखा। वह सिर्फ छोटे से हूप्स पहने दिखीं और नेचुरल मेकअप से अपने फीचर्स को इनहैंस किया। उनका न्यूड आईशैडो, विंग्ड आईलाइनर, मस्कारा, ब्लश्ड चीक्स और न्यूड लिप्स के साथ मेकअप को फाइनल टच देना लुक को खूबसूरती से कॉम्प्लिमेंट कर गया। वहीं, अपने बालों को हसीना ने मिडिल पार्टीशन के साथ सॉफ्ट कर्ल करके खुला रखा।

कूल लगा पापा रणवीर का अंदाज

दूसरी ओर, रणवीर ने भी ऑल वाइट लुक में खुद को कूल डैड साबित किया। उन्होंने कॉटन की शर्ट को स्लीव्स फोल्ड करके और ऊपर के कुछ बटन ओपन करके स्टाइल किया। साथ में मैचिंग स्ट्रैट फिट पैंट्स पहनी और बेज शूज के साथ लुक पूरा किया। जहां बियर्ड और चोटी बनाए एक्टर कमाल के लगे।

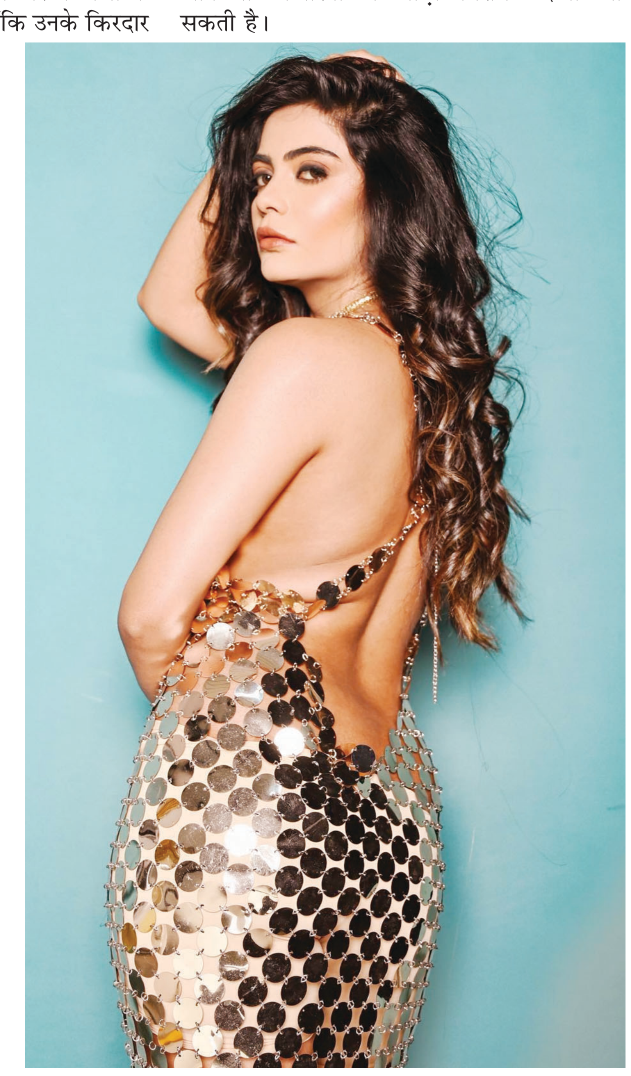

मैंने बेबी जॉन में बॉडी डबल का कम किया इस्तेमाल, खुद किए स्टंट : वरुण धवन

बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन की फिल्म बेबी जॉन रिलीज के लिए तैयार है। एक्टर ने अपनी फिल्म के बारे में बात करते हुए स्टंट सीन को लेकर खुलासा किया है। वरुण धवन ने कहा कि उन्होंने बॉडी डबल का कम इस्तेमाल किया और अधिकतर स्टंट खुद किए हैं।

वरुण ने कहा, इस फिल्म में एक्शन का पैमाना बहुत बड़ा है और मैंने बॉडी डबल की कम से कम मदद ली। मैंने लगभग सभी स्टंट खुद किए हैं। कलीज के साथ काम करना एक चुनौती थी, लेकिन उन्होंने मुझे हर दिन अपनी शारीरिक सीमाओं का पता लगाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने फिल्म के एक सीन के बारे में बात करते हुए बताया कि सबसे मुश्किल सीन में से एक में उन्हें छह घंटे से अधिक समय तक उल्टा लटका रहना था, जिसने उनकी परीक्षा ली। एक्टर ने आगे कहा, मुझे याद है कि एटली ने एक बार हमें सुरक्षा को प्राथमिकता देने और परफेक्शन की तलाश में जोखिम नहीं लेने के लिए कहा था। यह एक कठिन लेकिन संतोषजनक यात्रा रही। कलीज के डायरेक्शन में बनी बेबी जॉन के निर्माताओं ने इस फिल्म के सीन को कोरियोग्राफ करने के लिए आठ अंतर्राष्ट्रीय एक्शन निर्देशकों की एक टीम को शामिल किया है। इन आठ एक्शन डायरेक्टरों अनल अरासु, स्टंट सिल्वा, अनबरीव, यानिक बेन, सुनील रोड्रिग्स, कालोयन वोडेनिचरोव, मनोहर वर्मा, ब्रॉनविन ने फिल्म में आठ बड़े एक्शन सीन्स को कोरियोग्राफ किया है।

एक्शन डायरेक्टरों को एक साथ लाने के बारे में बात करते हुए कलीज ने कहा, हम भाग्यशाली थे कि हमें आठ प्रसिद्ध एक्शन निर्देशकों की एक टीम मिली, जिनमें से प्रत्येक ने अलग-अलग और एक्शन सीन्स को तैयार करने में अपनी अनोखी विशेषज्ञता इस्तेमाल किया। भारत और विदेश दोनों देशों के बेहतरीन एक्शन डायरेक्टरों के साथ मिलकर काम करना एक बड़ा सौभाग्य था। बेबी जॉन में वरुण धवन, राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री कीर्ति सुरेश, वामिका गब्बी, जैकी श्रॉफ और राजपाल यादव अहम किरदार में हैं। इस फिल्म को मुराद खेतानी, प्रिया एटली और ज्योति देशपांडे ने प्रोड्यूस किया है। कलीज के डायरेक्शन में बनी फिल्म 25 दिसंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पूनम पांडे ने ग्रीन बिकिनी में मचाया धमाल, फैंस हुए घायल

पूनम पांडे का नाम बोल्ड एक्ट्रेस की लिस्ट में आता है। एक्ट्रेस अक्सर अपने बोल्ड लुक्स से सोशल मीडिया पर तहलका मचाती नजर आती हैं। उनकी हॉट और बोल्ड तस्वीरें अक्सर सोशल मीडिया पर देखने को मिल जाती है, जिसे देख फैंस बेकाबू होते नजर आते हैं। इसी बीच अब हाल ही में पूनम ने एक बार फिर अपनी बोल्ड तस्वीरें शेयर कर ठंड के मौसम में इंटरनेट पर आग लगा दी है।

पूनम पांडे अपनी बोल्ड और स्टाइलिश तस्वीरों से हमेशा सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर ग्रीन बिकिनी में कुछ स्टनिंग तस्वीरें शेयर की हैं, जो तेजी से वायरल हो रही हैं। खुले बाल, लाइट मेकअप और बेहतरीन पोज के साथ पूनम ने फैंस का दिल जीत लिया है। इन तस्वीरों में पूनम का ग्लैमरस अंदाज देखते ही बन रहा है। फैंस उनकी हॉटनेस की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। कई यूजर्स ने कमेंट करते हुए लिखा, हॉटनेस की कोई हद नहीं। वहीं, कुछ फैंस ने उन्हें क्वीन ऑफ बोल्डनेस कहकर संबोधित किया है।

जी हां, पूनम पांडे ने कुछ देर पहले ही अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी कुछ हद से ज्यादा हॉट तस्वीरें शेयर की हैं, जिसे देखते ही फैंस के होश उड़ चुके हैं। इन तस्वीरों में वह बिकनी पहन बोल्डनेस से सोशल मीडिया का पारा बढ़ाती नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में बिकनी में पूनम का किलर अवतार देखने को मिल रहा है। पूनम ने इस लुक में कई तस्वीरें शेयर की है, जिसमें वह एक से बढ़कर एक कातिलाना पोज देती नजर आ रही हैं।

पूनम पांडे सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अपनी तस्वीरों व वीडियोज से फैंस का ध्यान आकर्षित करती रहती हैं। उनकी यह नई पोस्ट भी फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गई है।

चारकोल टूथपेस्ट के इस्तेमाल से पहले इन बातों का जरूर रखें ध्यान

चारकोल टूथपेस्ट (जिसे ब्लैक टूथपेस्ट भी कहा जाता है) एक लोकप्रिय ट्रेंड है। जिसे दांतों को साफ और सफेद रखने के लिए एक स्वस्थ तरीके के रूप में मार्केटिंग किया जाता है। एक्टिव चारकोल लकड़ी और नारियल के खोल जैसे कार्बनिक उच्च कार्बन सामग्री से बने महीन दाने वाले पाउडर से बना होता है। जब इन तत्वों का ऑक्सीकरण होता है और उन्हें अत्यधिक तापमान पर गर्म किया जाता है, तो वे चारकोल में बदल जाते हैं। इस रासायनिक प्रक्रिया से गुजरने के बाद, परिणामी पदार्थ में छोटे छिद्र होते हैं जो जमा और विष को फंसा सकते हैं चारकोल टूथपेस्ट के समर्थकों का दावा है कि यह एक चुंबक की तरह काम करता है, जो आपके दांतों से टार्टर, बैक्टीरिया और दागों को खींचता है। वास्तव में, विकसित दुनिया में एक्टिव चारकोल सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला प्वाइज कंट्रोल ट्रीटमेंट है। ऐसा इसलिए है क्योंकि एक्टिव चारकोल गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक्ट में टॉक्सिन्स को बांधता है, जिससे उनका अवशोषण रुक जाता है। लेकिन, क्या एक्टिवेटेड चारकोल टूथपेस्ट काम करता है और क्या यह रोजाना इस्तेमाल के लिए सुरक्षित है?

चारकोल टूथपेस्ट के फायदे

दाग हटाता है

विशेषज्ञों का कहना है कि चारकोल टूथपेस्ट का सोखने का गुण दांतों पर लगे दागों को हटाने में मदद करता है।

सांसों की दुर्गंध को कम करता है

कई शोधों के हवाले से ऐसा कहा जाता है कि चारकोल मुंह से बैक्टीरिया और अन्य दूषित पदार्थों को हटाकर सांसों की दुर्गंध को कम करने में मदद करता है।

प्लाक को कम करता है: कुछ अध्ययनों के अनुसार, चारकोल टूथपेस्ट भी दांतों पर प्लाक को कम करने में मदद करता है। प्लाक बैक्टीरिया और खाद्य अपशिष्ट की एक चिपचिपी परत होती है।

चारकोल टूथपेस्ट के नुकसान

हालांकि, उचित खुराक में चारकोल टूथपेस्ट का उपयोग करना सुरक्षित है, लेकिन इसे रोजाना उपयोग करने के फायदे से अधिक नुकसान हैं।

दांतों के इनेमल को नुकसान पहुंचा सकता है : कुछ चारकोल टूथपेस्ट बहुत कठोर होते हैं। इनके घर्षण गुणों के कारण दांतों के ऊपर की इनेमल परत के घिसने का खतरा रहता है। बता दें, इनेमल दांतों के लिए एक सुरक्षा कवच की तरह होता है। ऐसा कहा जाता है कि इसके क्षतिग्रस्त होने पर दांत संवेदनशील हो जाते हैं। कहा जाता है कि ठंडा और गर्म पदार्थ लेने पर दर्द होता है और दांतों में सड़न की संभावना भी बढ़ जाती है।

सभी प्रकार के दाग नहीं हटाता: चारकोल टूथपेस्ट केवल सतह के दाग हटाता है। यानी यह कॉफी, चाय और सिगरेट जैसी चीजों से लगे दाग को हटा सकता है। लेकिन, इससे दांतों की अंदरूनी परत पर बने दाग नहीं हटते है।

मसूड़ों से खून आना: जब चारकोल टूथपेस्ट का अधिक मात्रा में उपयोग किया जाता है, तो इससे मसूड़े लाल हो सकते हैं, सूज सकते हैं, दर्द हो सकता है और खून आ सकता है।

काला अवशेष: चारकोल काला होता है और ब्रश करने के बाद मुंह में काला अवशेष छोड़ सकता है। इन्हें पूरी तरह से हटाने के लिए मुंह को अच्छी तरह से धोना चाहिए।

इनेमल को मजबूत बनाता है: फ्लोराइड दांतों की सतह पर इनेमल को बांधता है, जिससे यह मजबूत हो जाता है। जब एसिड उन पर हमला करता है तो यह दांतों को नुकसान से बचाता है।

क्षय को रोकता है: खाना खाने के बाद मुंह में बैक्टीरिया शर्करा को एसिड में बदल देते हैं। ये एसिड इनेमल को कमजोर कर देते हैं, जिससे दांत खराब हो जाते हैं। फ्लोराइड इस प्रक्रिया को धीमा कर देता है। कुछ मामलों में इसका उलटा भी होता है।

पर्यटकों को लुभा रहा जशपुर का बालकछार गांव, मिलती है ट्राइबल संस्कृति की झलक

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। शीत ऋतु में दो खबरें लोगों का ध्यान अनायास आकर्षित करती हैं। एक है बर्फबारी तो दूसरी है पर्यटन। छत्तीसगढ़ को पर्यटन का स्वर्ग भी कहा जाता है। यहां की भौगोलिक संरचना समुद्र को छोड़कर शेष सभी प्रकार के पर्यटन का आनंद दे सकती है। एक ऐसा ही स्थान है जशपुर। यहां का आदिवासी जीवन, यहां की लोककला और संस्कृति ने तेजी से दुनिया में अपनी पहचान बनाई है। छत्तीसगढ़ पर्यटन विभाग ने यहां पर्यटकों की सुविधा के लिए एक आदिवासी गांव ही बसा दिया है। बालाछापर गांव में स्थित लगभग चार एकड़ पर विकसित ट्राइबल विलेज रिसॉर्ट अपने आप में अनूठा उपक्रम है।

बालाछापर एथनिक रिसॉर्ट का निर्माण 2020 में ही पूरा कर लिया गया था. इसमें पहाड़ी कोरवा, बिरहोर जनजातियों की जीवन शैली की जानकारी देने के लिए सामग्रियां जुटाई गई हैं। पर्यटक यहां आकर इन आदिवासियों की जीवनशैली से रूबरू हो सकें। ट्रायबल टूरिस्ट विलेज में लैंडस्कैप तथा ओपन एमपी थिएटर सहित इको हट्स बनाए गए हैं। पुरातात्विक स्थलों में मिली प्रतिमाएं जैसी कलाकृतियां इसकी शोभा बढ़ा रही हैं। इसका निर्माण भारत सरकार के स्वदेश दर्शन योजना द्वारा पृष्ठपोषित है।

11.6 हजार पर्यटकों ने करवाई बुकिंग

छत्तीसगढ़ में पर्यटन विभाग अलग-अलग जिलों में 14 रिसॉर्ट संचालित करता है। नया साल, ग्रीष्म और विशेषककर शीत ऋतु में यहां पर्यटकों की अच्छी खासी भीड़ होती है। यहां तक कि बारिश के दिनों में बस्तर अंचल के झरनों को भी देखने के लिए दूर-दूर से सैलानी आते हैं। स्थानीय पर्यटक के साथ ही विदेशी पर्यटक भी इन जगहों पर सैर सपाटे के लिए आते हैं। पर्यटन विभाग की मानें तो अक्टूबर से दिसंबर 2024 तक इन तीन महीनों के दौरान 14 रिसॉर्ट में 11614 लोगों ने बुक कराया है।

पर्यटकों के ठहरने के लिए लकड़ी के हट्स विशेष आकर्षण

बालाछापर रिसॉर्ट में ट्रायबल आर्टिशियन सेंटर, हट्स, व्याख्यान भवन, कैफेटेरिया, ओपन एमपी थिएटर का निर्माण किया गया है। कलाकार एवं पर्यटकों के ठहरने के लिए लकड़ी के हट्स बनाए गए हैं। स्थानीय कलाकारों द्वारा निर्मित विविध प्रकार की कलाकृतियों के प्रदर्शन एवं बिक्री की जाती है। ट्रायबल टूरिस्ट विलेज के पास चाय बागान विकसित की जा रही है। टूरिस्ट विलेज के पास की लगभग 100 एकड़ जमीन पर चाय बागान विकसित किया जा रहा है। आसपास के किसानों को भी चाय की खेती से जुड़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ी खान-पान से भी होगा परिचय

छत्तीसगढ़ की कला संस्कृति का प्रदर्शन पर्यटक के सामने हो, इसके लिए संबंधित रिसॉर्ट के क्षेत्रीय कलाकारों को आमंत्रित कर पर्यटकों के सामने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाती है। छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजन को पर्यटक जाने, इसके लिए वहां के स्व सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा रिसोर्ट में छत्तीसगढ़ी व्यंजन भी परोसा जाता है। पर्यटन स्थल में सुरक्षा को लेकर भी चाक चौबंद व्यवस्था साल भर रहती है।

रिसॉर्ट की देख भाल पर भी जोर

रिसॉर्ट में जब टूरिस्ट का फ्लो अधिक होता है, उस समय मेंटेनेंस भी प्रॉपर तरीके से हो, इसके लिए रिसॉर्ट के सभी मैनेजर को निर्देश दिए गए हैं। इस बात का विशेष ध्यान रखा जाएगा कि साल के अंतिम महीने या अंतिम दिनों में क्रिसमस या न्यू ईयर सेलिब्रेट करने जो भी टूरिस्ट आ रहे हैं, चाहे वह डोमेस्टिक टूरिस्ट या फिर फॉरेन के टूरिस्ट को किसी प्रकार की दिक्कत न हो, ताकि छत्तीसगढ़ की कला संस्कृति, खानपान और इसकी यादों को लेकर टूरिस्ट यहां से खुश होकर जाएं।

अनुराधा दुबे,
जनसंपर्क अधिकारी, पर्यटन विभाग

महतारी वदन योजना से बढ़ा महिलाओं का सम्मान : अमर अग्रवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ शासन के एक वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य पर जनादेश परब के तहत पूरे जिले में महतारी वंदन सम्मेलन का आयोजन किया गया। महतारी वंदन योजना की महिला हितग्राहियों को सम्मलेन में सम्मानित किया गया। सभी विधानसभा क्षेत्र में 'महतारी वंदन सम्मेलन' का आयोजन विधानसभा क्षेत्र मुख्यालयों में किया गया।

बिलासपुर विधानसभा क्षेत्र में आज पं. देवकीनंदन दीक्षित सभागृह, विकासखण्ड कोटा के सांस्कृतिक भवन डी के पी शाला, स्वामी आत्मानंद स्कूल मस्तूरी, बेलतरा विधानसभा का कार्यक्रम ग्राम पंचायत लखराम एवं बिल्हा विधानसभा का कार्यक्रम रानी सती मंदिर प्रांगण में हुआ। बिलासपुर विधानसभा क्षेत्र के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर विधायक अमर अग्रवाल, बिल्हा विधानसभा क्षेत्र में धरमलाल कौशिक, बेलतरा में विधायक सुशांत शुक्ला, कोटा में प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, मस्तूरी में डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी बतौर मुख्य अतिथि मौजूद थे। विधायक अमर अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में महिलाओं के सशक्तिकरण की बात कही जिसके तारतम्य में राशन कार्ड में महिलाओं को मुख्यिा बनाना, स्व सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को रोजगार दिलाना एवं महतारी वंदन योजना जैसी सशक्त योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक सुरक्षा, स्वावलंबन एवं आत्मनिर्भर बनाने की बात कही।

बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक द्वारा छत्तीसगढ़ शासन पर विश्वास करने के लिए महिला हितग्राहियों एवं महतारियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने महिलाओं से योजना का लाभ लेने और प्रदेश के विकास में अपना योगदान देने की अपील की। बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला ने इस अवसर पर महिलाओं को संबोधित करते हुए शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटीयों को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में पूरा किया जा रहा है। शासन की मंशा है कि जब महिलाएं सशक्त होंगी तो परिवार सशक्त होगा और समाज सशक्त होगा। सभी ने छत्तीसगढ़ को बाल विवाह मुक्त बनाने शपथ दिलवाई गई।

माननीय मुख्यमंत्री द्वारा महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों को प्रेषित 'विष्णु की पाती' नामक शुभकामना संदेश का वाचन किया गया। सम्मेलन में योजना अंतर्गत प्राप्त राशि को सकारात्मक व्यय यथा पोषण, शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर व्यय करने वाली महिलाओं को प्रशस्ति पत्र, श्रीफल एवं शॉल देकर सम्मानित किया गया। महतारी वंदन योजना का सकारात्मक सदुपयोग करने वाली महिलाओं से उनके अनुभव भी सुने गये। महिलाओं के बीच जैसे कुर्सी दौड़ सहित अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। कार्यक्रम के अंत में महतारी वंदन योजना की हितग्राही महिलाओं द्वारा माननीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के लिए 'बहनों की पाती' नामक स्नेह एवं धन्यवाद संदेश प्रेषित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं ने अपनी जुबानी योजना से आए बदलाव की जानकारी दी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, सखी वन स्टॉप सेंटर, महिला हेल्प लाईन नम्बर, सक्षम योजना सहित अन्या योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई।

बिलासपुर विधानसभा क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम में नगर निगम कमिश्नर अमित कुमार, रामदेव कुमावत, जिला कार्यक्रम महिला बाल विकास विभाग सुरेश सिंह, जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में महतारी वंदन योजना से लाभान्वित महिलाएं कार्यक्रम में मौजूद थी।

राज्य में 67.77 लाख मीट्रिक टन धान की हुई खरीदी 14.04 लाख किसानों को 14059 करोड़ का भुगतान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में प्रदेश के किसानों से सुगमता पूर्वक धान की खरीदी की जा रही है। वहीं धान खरीदी व्यवस्था पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा लगातार मॉनीटरिंग की जा रही है। राज्य में धान 14 नवम्बर से शुरू हुए धान खरीदी का सिलसिला अनवरत रूप से जारी है। अब तक लगभग 67.77 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हो चुकी है। धान खरीदी के एवज में 14.04 लाख किसानों को बैंक लिकिंग व्यवस्था के तहत 14059 करोड़ रूपए का भुगतान किया गया है। धान खरीदी का यह अभियान 31 जनवरी 2025 तक चलेगी। धान खरीदी के साथ-साथ मिलर्स द्वारा धान का उठाव भी शुरू कर दिया गया है। धान उठाव के लिए 36.89 लाख मीट्रिक टन धान के लिए डीओ और टीओ जारी किया गया है, जिसके विरूद्ध अब तक 15.25 लाख मीट्रिक टन धान का उठाव कर लिया गया है।

खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस खरीफ वर्ष के लिए 27.68 लाख किसानों द्वारा पंजीयन कराया गया है। इसमें 1.45 लाख नए किसान शामिल है। इस वर्ष 2739 उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से 160 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी अनुमानित है।

खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आज 23 दिसम्बर को 78175 किसानों से 3.42 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी की गई है। इसके लिए 93 हजार 714 से अधिक टोकन जारी किए गए थे। आगामी दिवस के लिए 93 हजार 985 टोकन जारी किए गए हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे को मिला अखिल भारतीय दक्षता शील्ड

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने दिनांक 21 दिसम्बर, 2024 को भारत मंडपम, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित 68वें रेलवे सप्ताह पुरस्कार: अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार समारोह में भारतीय रेलवे के सभी जोनों के अखिल भारतीय प्रदर्शन दक्षता शील्ड जीतकर राष्ट्रीय स्तर पर सर्वोच्च सम्मान प्राप्त किया।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शील्ड प्रदान की। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे महाप्रबंधक नीनू इट्टेयरा एवं प्रधान मुख्य संकेत एवं दूर संचार इंजीनियर सुरेश कुमार सोलंकी ने रेल मंत्री से शील्ड प्राप्त की। प्रधान मुख्य संकेत एवं दूर संचार इंजीनियर सुरेश कुमार सोलंकी ने यह पुरस्कार संकेत एवं दूर संचार विभाग के सभी कर्मचारियों को समर्पित करते हुए कहा कि शील्ड हमारे कर्मचारियों के समर्पण और उत्कृष्टता की निरंतर खोज का प्रमाण है.

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे को यह पुरस्कार वित्तीय वर्ष 2023-24 में किये गए महत्वपूर्ण कार्यों के संपादन के लिए मिला है. इसके अंतर्गत सभी जोनो के बीच, कुल 136. 25 किलोमीटर आटोमेटिक सिग्नलिंग का प्रावधान कर सर्वोच्च स्थान प्रदान किया। जिसके कारण एक ही सेक्शन में अधिक ट्रेनें चल सकती हैं।

हमारी सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने प्रतिबद्धः वर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सुशासन सप्ताह अंतर्गत सोमवार को जिला मुख्यालय स्थित पण्डित चक्रपाणी शुक्ल स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में विधानसभा स्तरीय वृहद महतारी वंदन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा एवं अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अतिथियों के द्वारा महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों का शाल - श्रीफल से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही मंत्री वर्मा ने बाल विवाह रोकथाम हेतु शपथ दिलाई।

समारोह को सम्बोधित करते हुए राजस्व मंत्री वर्मा ने कहा कि सरकार के एक वर्ष पूरा होने पर महिलाओं को सम्मनित करने सभी विधानसभा में कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। हमारी सरकार मातृ शक्तियों को पहचान दिलाने, आत्मनिर्भर बनाने एवं उनके आत्मसम्मान के लिए कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं के सम्मान के लिए हर घर में शौचालय निर्माण कराया, पेयजल की सुविधा के लिए जलजीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल पहुंच रहा है, प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत पक्का मकान एवं प्रधानमंत्री उज्जवला योजना से रसोई गैस मिल रही है।

हमारी सरकार ने राशन कार्ड में महिलाओं को मुखिया बनाया है। उन्होंने कहा कि अब पंचायतों में महतारी सदन का निर्माण किया जा रहा है जिसमें समूह की महिलाएं बैठक आदि कर सकेंगी। महतारी सदन में पानी बिजली एवं बॉउंड्री वाल की भी सुविधा होगी। इसीतरह अब गांव गांव में प्रधानमंत्री आवास के तहत आवास निर्माण का काम तेजी से चल रहा है।

जिनको अब तक आवास स्वीकृत नहीं हुआ है उन्हें अगले 4 साल में स्वीकृत हो जाएगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं की जिम्मेदारी गृहस्थी संभालने के साथ ही बच्चों को संस्कारवान बनाने की भी। बच्चे की गलती पर मौन सहमति न दें बल्कि सही रास्ता दिखाएं। जांजगीर - चम्पा सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े ने कहा कि सरकार अपने किये गए अधिकांश वादा पूरा कर दी है और जो शेष है उसे भी पूरा करेगी। हमारी सरकार नारी सशक्तिकरण एवं महिला सम्मान को आगे बढ़ा रही है। सरकार के कल्याणकारी योजनाओं से महिलाएं जागरूक हो रही हैं। मातृशक्ति अपनी शक्ति को पहचाने और निरंतर आगे बढ़ें।

कार्यक्रम को नगर पालिका अध्यक्ष चित्तावर जायसवाल, जनपद अध्यक्ष सुमन वर्मा ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर भारत स्काउट गाइड के राज्य उपाध्यक्ष विजय केशरवानी, जनपद उपाध्यक्ष ईशान वैष्णव सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में महतारी वंदन योजना के हितग्राही उपस्थित थे।

कलेक्टर लंगेह ने एनयूएलएम की टीम को दी बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने आज राज्य शहरी विकास अभिकरण की टीम को स्वरोजगार घटक में असाधारण प्रयास एवं समग्र प्रदर्शन हेतु राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी। राज्य शहरी विकास अभिकरण के सामुदायिक संगठक (सीओ) ममता बग्गा, श्रीमती प्रेमशीला बघेल और राखी ठाकुर ने कलेक्टर से मुलाकात कर अपनी उपलब्धियों की जानकारी दी। कलेक्टर लंगेह ने इस अवसर पर कहा कि नगरीय क्षेत्र की महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ना बड़ी उपलब्धि है। एनयूएलएम द्वारा बेहतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने आगे भी इसी तरह कार्य करने कहा। बता दें कि नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के राज्य शहरी विकास अभिकरण द्वारा रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में सम्मान समारोह-सह-कार्यशाला का आयोजन किया गया था। जिसमें महासमुंद नगर पालिका को डे-एनयूएलएम अवार्ड्स 2023-24 अंतर्गत स्वरोजगार घटक में असाधारण प्रयास एवं समग्र प्रदर्शन हेतु राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सम्मानित किया। महासमुंद नगर पालिका सीएमओ महासमुंद खिरसागर नायक के नेतृत्व में सामुदायिक संगठन सीओ ममता बग्गा, प्रेमशीला बघेल और श्रीमती राखी ठाकुर को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरल उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
K. Satyanarayan
Mo.9300771925, 0788-4030919

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

कांकेर में खड़े ट्रेक्टर से टकराया पिकअप, एक की मौत और 8 घायल

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में बीती रात बड़ा हादसा हो गया। यहां एक खड़ी ट्रेक्टर से पिकअप टकरा गई। पिकअप में सावार 8 लोग घायल हो गए हैं। वहीं एक की मौत हो गई। हादसे की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय ग्रामीणों की सहायता से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। घटना यहां के कोतवाली थाना क्षेत्र की है।

मिली जानकारी के अनुसार कांकेर के अमोडा मार्ग में देर रात पिकअप वाहन खड़ी ट्रैक्टर से टकरा गई। पिकअप में सवार लोग नहावन कार्यक्रम से लौट रहे थे। करना गांव के पास पिकअप में 25 ग्रामीण सवार थे। मौके पर ही एक महिला की मौत हो गई है और 8 लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं पुलिस घटना की जांच में जुट गई है।

धान चोरी के शक में युवक को पीट-पीटकर मार डाला

धमतरी (ए.)। तीन कट्टा धान चोरी के आरोप में एक युवक को आधी रात घर से उठाकर 10 से 12 महिलाओं व ग्रामीणों ने घसीटकर ले गया। चार घंटे तक युवक की लाठी-डंडे जमकर पिटाई किया। नाजुक हालत में युवक को उनके घर छोड़कर आरोपी भाग निकले। इलाज के लिए स्वजन युवक को अस्पताल पहुंचाया, तो डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

इस घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया है। पुलिस आरोपितों को ढूंढने गांव पहुंच गई है। जानकारी के अनुसार कुरूद थाना के ग्राम सिरसिदा निवासी 19 वर्षीय कार्तिक पटेल को धान चोरी के आरोप में गांव के करीब 10 से अधिक लोग 22 दिसंबर की रात दो बजे उनके घर में घुसकर उन्हें उठा ले गया। ग्रामीणों ने युवक को घसीटते हुए गांव के आदिवासी पारा ले गया। यहां युवक को घेरकर ग्रामीणों ने लाठी-डंडे से सुबह छह बजे तक करीब चार घंटे तक पिटाई की। इस बीच गंभीर रूप से घायल युवक उन्हें अस्पताल ले जाने की गुहार लगाते रहे। जब युवक की नाजुक स्थिति बनी, तो ग्रामीणों ने उन्हें गंभीर हालत में उसके घर के पास छोड़कर चले गए।

महतारी वंदन योजना में गलत भुगतान का मामला

सनी लियोनी: परियोजना अधिकारी और आंगनबाड़ी पर्यवेक्षक निलंबित, कार्यकर्ता नेताम हुई बर्खास्त

- शिकायत के बाद आरोपी वीरेन्द्र कुमार जोशी गिरफ्तार, बैंक खाता सीज कर की जा रही वसूली की कार्रवाई

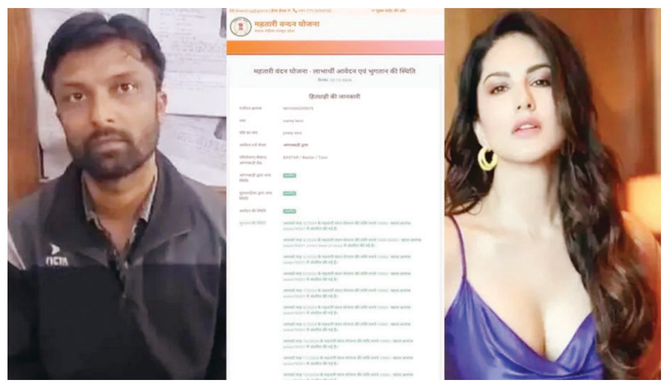

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बस्तर जिले के तालुर गांव में सनी लियोनी के नाम पर महातारी वंदन योजना की राशि के गलत भुगतान पर सरकार द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई है। मामला सामने आने के बाद सरकार ने जांच करवाई। इस मामले में दोषी वीरेन्द्र जोशी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं अब इस मामले में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता वेदमति जोशी को बर्खास्त कर दिया गया है। वहीं पर्यवेक्षक प्रभा नेताम एवं परियोजना अधिकारी ज्योति मथरानी को निलंबित किया गया है। यही नहीं तत्कालीन जिला कार्यक्रम अधिकारी को भी नोटिस जारी कर स्पष्टिकरण मांगा गया है। यही नहीं वीरेन्द्र जोशी के बैंक खाते को सीज़ कर भुगतान की गयी राशि की वसूली की कार्यवाही की जा रही है।

दरअसल बस्तर जिले के बस्तर विकासखंड के आंगनवाड़ी केन्द्र तालूर में वीरेन्द्र कुमार जोशी के द्वारा फर्जीवाड़ा करते हुए आंगनवाड़ी केन्द्र तालूर के कार्यकर्ता के माध्यम से सन्नी लिओनी के नाम से आवेदन किया गया है तथा उस आवेदन में अन्य जानकारी के रूप में अपना आधार नंबर तथा अपने बैंक खाते की जानकारी डाली गयी। प्रत्येक आवेदन के परीक्षण एवं सत्यापन का दायित्व ग्राम स्तर पर बनायी गयी समिति, जिसमें ग्राम प्रभारी व वार्ड प्रभारी एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के द्वारा किया जाना था। इसके उपरांत पोर्टल में अंकित दस्तावेज़ो का परीक्षण प्रथम सत्यापन में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के द्वारा तथा द्वितीय सत्यापन पर्यवेक्षक के द्वारा किया जाना था तथा परियोजना अधिकारी के द्वारा अनुमोदित किया जाना था। तालुर के आंगनवाड़ी कार्यकर्ता वेदमति जोशी आवेदक वीरेन्द्र कुमार जोशी की पड़ोसी है। वेदमति जोशी द्वारा बिना तथ्यों की जांच परख किए ऑनलाईन पोर्टल पर वीरेन्द्र कुमार जोशी के द्वारा सन्नी लिओनी के नाम से किए गए आवेदन को सत्यापित कर दिया। इसी प्रकार पर्यवेक्षक के द्वारा भी बिना परीक्षण किए हुए इस आवेदन का सत्यापन कर दिया गया, जिसके कारण इस फर्जी नाम वाले हितग्राही को उनके द्वारा दिए गए आधार नबंर से लिंक स्टेट बैंक के खाते में डीबीटी के रूप में राशि का भुगतान हुआ है।

सनी लियोनी नहीं वीरेन्द्र जोशी को हो रहा था भुगतान

सरकार द्वारा स्पष्ट किया गया है कि सोशल मीडिया के माध्यम से प्रसारित सूचना, जिसमें महतारी वंदन योजना की राशि सन्नी लिओनी के खाते में जमा होने की न्यूज प्रसारित हुई है, सही नहीं है। वास्तव में सन्नी लिओनी के बैंक खाते में महतारी वंदन की राशि का भुगतान नहीं हुआ है अपितु यह वीरेन्द्र कुमार जोशी नाम के एक व्यक्ति के द्वारा स्थानीय स्तर पर मिलीभगत कर सन्नी लिओनी के नाम से आवेदन कर आधार एवं अन्य जानकारी अपनी डालते हुए शासकीय राशि अवैधानिक रूप से प्राप्त करने के उद्देश्य से की गयी हरकत है। इस पूरे मामले की जांच के बाद सरकार द्वारा कार्रवाई की गई। मामले में कलेक्टर हरिस एस ने बताया कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता वेदमती जोशी के आईडी से रजिस्टर्ड हुआ था और गांव के वीरेंद्र जोशी नामक व्यक्ति द्वारा जालसाजी कर अवैध तरीके से राशि का आहरण अपने खाते में किया जा रहा था। शासन प्रशासन की महत्वपूर्ण योजना में धांधली और धोखाधड़ी के मामले में आरोपी वीरेन्द्र जोशी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की आगे भी जांच की जा रही है और जो भी दोषी सामने आएगा उसके खिलाफकार्रवाई की जाएगी।

अवैध शराब और गांजा मामले में नाबालिग गिरफ्तार

- दुर्ग पुलिस ने तीन महिलाओं को भी किया गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले में अवैध रूप से शराब व गांजा की बिक्री करने वालों पर दुर्ग पुलिस द्वारा कड़ी कार्रवाई की जा रही है। एसपी जितेन्द्र शुक्ला ने सभी थाना क्षेत्रों में ऐसे अपराधियों पर नकेल कसने विशेष निर्देश दिए हैं। इसी कड़ी में मोहन नगर पुलिस ने गांजा व शराब की अवैध बिक्री करने वाले 6 आरोपियों को पकड़ा है। आरोपियों में दो नाबालिग व तीन महिलाएं शामिल हैं जो अपने क्षेत्र में अवैध रूप से गांजा व शराब की बिक्री कर रही हैं। इनके खिलाफ नारकोटिक्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि नयापारा तीतुरडीह में मेश्राम भवन के पास एक मकान में गांजा और शराब रखा हुआ है। यहां से इसकी अवैध रूप से बिक्री की जा रही है। सूचना के बाद पुलिस व नारकोटिक्स की टीम ने संयुक्त रूप से रेड की और मौके से सुमन बारेल (22) निवासी तितुरडीह नयापारा दुर्ग, शैलेंद्र पांडेय (24) निवासी सिंधिया नगर दुर्ग, रामबाई बारले, दीपाली बारेल (19) समेत दो नाबालिग को पकड़ा।

मकान की तलाशी लेने पर अंदर से 16.782 किलोग्राम गांजा मिला। इसकी बाजारी कीमत 1.20 लाख रुपए है। यहां से 68200 रुपए नगद भी जब्त किया गया है। इसी तरह बगल के मकान से 150 पौवा देशी शराब भी जब्त की गई है। इसकी कीमत 15 हजार 120 रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने यहां से 15 हजार 820 रुपए नगद जब्त किया है। इसके साथ ही गांजा बिक्री की रकम से खरीदी गई बुलेट, एक्टिवा, सोने की चेन मंगल सूत्र और झुमका भी जब्त किया गया है। अवैध रूप से गांजा व शराब बेचने के साथ ही इसकी कमाई से यह सभी एक मकान भी बनवा रहे थे जिसे पुलिस ने सीज किया है।

कुएं में मिली दो जुड़वा भाइयों की लाश, गांव में छाया मातम

धमतरी (ए.)। कुरूद थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम कोकड़ी से एक दुखद घटना सामने आई है। जहां गांव के ही रहने वाले दो मासूम बच्चों की मौत हो गई। जिसपर बच्चों के परिवार वालो का रो-रो कर बुरा हाल है। वहीं पूरे गांव में मातम छा गया है।

बताया जा रहा है कि ग्राम कोकड़ी के रहने वाले दो मासूम जुड़वा भाई अपने घर के पास खेल रहे थे। कुछ वक्त बीत जाने पर बच्चों के परिवार वालो ने देखा कि अभी तक बच्चे घर नहीं आए हैं। तो दोनों को बुलाने के लिए निकले। लेकिन उनका कही कुछ पता नहीं चला। शाम होते-होते बच्चों के गायब हो जाने की खबर पूरे गांव में फैल गई। सभी दोनों मासूमों की तलाश में जुट गए। तभी घर से कुछ दूर में स्थित एक कुएं में ग्रामीण की नजर पड़ी, जहां दोनों जुड़वा भाई होरीलाल और डोमन लाल की उस कुएं में गिरने से मौत हो गई थी।

वहीं इस घटना की जानकारी कुरूद पुलिस को दी गई। जिसपर कुरूद पुलिस मौके पर पहुचीं और दोनों बच्चे के शव को कुएं से निकाल पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया। कुरूद थाना प्रभारी अरुण साहू ने बताया कि ग्राम कोकड़ी में छह साल के जुड़वा भाइयों की कुएं में गिर जाने से मौत हो जाने की सूचना मिली थी। जिसपर पुलिस मौके पर पहुंचकर दोनों शव को बाहर निकाल कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। गांव में पूछताछ में पता चला कि दोनों बच्चे घर से दूरी पर खेल रहे थे। खेलने के दौरान बॉल कुएं में चली गई। बॉल के लिए दौड़ लगाते हुए बच्चे कुंए में गिर पड़े, जिसके चलते दोनों की मौत हो गई।

राजस्थान के चोरों ने की डीडी नगर में चोरी, तीन धरे गए

रायपुर। सुंदर नगर के रहने वाले डॉ. उमेश चंद तिवारी के सूने मकान में चोरी करने वाले तीन अंतर्राज्यीय चोर जो राजस्थान के केकड़ी अजमेर में रहते है को डीडीनगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है और उनके पास से पुलिस ने चोरी की चांदी के जेवरात एवं नगदी रकम 9,500 रुपये तथा घटना में प्रयुक्त 1 नग मोबाईल फोन जुमला कीमती लगभग 40,000 रुपये को जप्त किया। आरोपियों के कब्जे से पूर्व घटना में संलिप्त फरार आरोपी अमित सोनी को भी गिरफ्तार किया जा चुका है उसके पास से पुलिस ने 1 नग सोने की अंगूठी, 1 नग सोने का कंगन एवं सोने का राधा-कृष्ण लिखा हुआ 1 नग लॉकेट

बरामद किया है। प्रकरण में संलिप्त अन्य आरोपी संजय बगरिया, महेन्द्र बगरिया घटना दिनांक से फरार है जिनकी पतासाजी की जा रही है। कर गिरफ्तार करने के प्रयास किये जा रहे है।

डीडी नगर पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि प्रार्थी डॉ. उमेश चंद तिवारी ने थाना डी.डी.नगर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह सुंदर नगर डी.डी.नगर में रहता है तथा प्रार्थी एवं उसकी पत्नि बालाजी मेडिकल कालेज मोवा में कार्यरत है। 9 नवंबर 2024 को सुबह करीबन 8:30 बजे दोनों अपने घर में ताला लगाकर अस्पताल चले गये थे, शाम लगभग 7 बजे दोनों घर वापस आकर देखे तो बाहर के मेन गेट का लॉक लगा हुआ था।

मेन गेट का लॉक खोलकर अंदर जाकर देखे तो अंदर के दरवाजे का मेन दरवाजे का ताला टूटा हुआ था, दरवाजा खुला हुआ था तथा अंदर प्रवेश करने वाले दरवाजे का ताला भी टूटा हुआ था कमरे की लाइट जल रही थीं। हाल का सामान फैला हुआ था तथा बेड रूम में रखें तीनों आलमारी का समान अस्त-व्यस्त पड़ा हुआ था तथा दूसरे कमरे में रखें आलमारी का सामान भी अस्त-व्यस्त पड़ा हुआ था एवं आलमारियों में रखा सोने, चांदी के जेवरात तथा नगदी रकम नहीं था। कोई अज्ञात चोर प्रार्थी के सूने मकान का ताला तोड़कर कमरे अंदर प्रवेश कर आलमारियों का लॉक तोड़कर आलमारियों में रखें उक्त मशरूका को चोरी कर ले गया, कि प्रार्थी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना डी.डी.नगर में अपराध क्रमांक 435/24 धारा 305(ए), 331(4) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध किया गया।

न्यू इयर सेलीब्रेशन को लेकर एसपी जितेन्द्र शुक्ला का सख्त निर्देश, गुंडा बदमाशों पर करें सख्ती

- भीड़ वाले इलाकों में बढ़ाएं पेट्रोलिंग
- दुर्ग एसपी ने ली अधिकारियों की बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। पुलिस अधीक्षक जितेंद्र शुक्ला द्वारा सेक्टर 6 स्थित पुलिस कंट्रोल रूम के सभाकक्ष में दुर्ग ज़िले के समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों सहित समस्त थाना प्रभारियों एवं चौकी प्रभारियों की बैठक ली गई। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा आगामी त्यौहारों के मद्देनजर गुण्डा बदमाशों व अपराधिक तत्वों पर लगाम लगाते हुए कार्रवाई करने के साथ ही कानून व्यवस्था ड्यूटी को मुस्तैदी पूर्वक करने के निर्देश दिये गये।

बैठक के दौरान एसपी जितेन्द्र शुक्ला ने लंबित गंभीर अपराधों के प्रकरणों में आरोपियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी करते हुए प्रकरण के निकाल करने के निर्देश दिये। एसपी शुक्ला ने कहा कि पुलिस गश्त और चेकिंग अभियान को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। पुलिस विजिबल हो और चौक चौराहों पर दिखनी चाहिए। न्यू इयर सेलीब्रेशन के दौरान किसी भी प्रकार का हुडदंग या अपराधिक घटना न हो इसका भी विशेष ध्यान रखा जाए। इसके लिए शहर के भीड़ भरे क्षेत्रों में पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाए और अपराधिक तत्वों पर तत्काल कार्रवाई किया जाए।

खनिजों के अवैध उत्खनन व परिवहन पर जेसीबी मशीन सहित 4 हाईवा और 5 ट्रैक्टर जब्त

बिलासपुर (ए.)। कलेक्टर के निर्देशानुसार बिलासपुर में खनिज विभाग द्वारा खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। गत दो दिनों में घुटकु, निरतू, कछार, रतखण्डी, करहीकछार, बेलगहना, रतनपुर, गढ़वट, कोटा, सकरी एवं अन्य क्षेत्रों में खनिज परिवहन कर रहे वाहनों की लगातार जांच की गई तथा बिना वैध अभिवहन पास के खनिज परिवहन करने पर अवैध रेत परिवहन के 6, गिट्टी के 3 मामलों सहित कुल 9 मामले दर्ज किए गए। इस दौरान 4 हाईवा एवं 5 ट्रैक्टर जप्त कर थाना कोटा एवं थाना सकरी में सुरक्षार्थ रखा गया है। इसके अतिरिक्त ग्राम गढ़वट क्षेत्र में जांच के दौरान अवैध रेत उत्खनन करते पाए जाने पर 1 जेसीबी जप्त कर प्रकरण दर्ज कर थाना रतनपुर में सुरक्षार्थ रखा गया है। खनिजों के अवैध उत्खनन,परिवहन,भण्डारण पर खनिज विभाग, राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त कार्रवाई जारी है। वन विभाग के द्वारा भी अपने क्षेत्रों में इसी तरह कार्रवाई की जा रही है।

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी

RAKESH SINGH
Mob.-9840760388
7987759030

Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more

पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

-:: कार्यालय सेनानी, प्रथम वाहिनी, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, भिलाई ::-

क्रमांक-प्रथम बटा/छसबल/भि/साअ/581-ए/2024 दिनांक -20.12.2024

निविदा विज्ञप्ति

छत्तीसगढ़ पुलिस की 35 पुरूष बैण्ड दस्ता (बैगपाईपर इंस्ट्रमेंट) के लिए वाद्ययंत्र क्रय बाबत् मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। प्रत्येक निविदा प्रपत्र का मूल्य 750/- (सात सौ पचास) तथा निविदा के अनुसार छत्तीसगढ़ पुलिस की 35 पुरूष बैण्ड दस्ता (बैगपाईपर इंस्ट्रमेंट) के लिए वाद्ययंत्र क्रय हेतु सीलबन्द लिफाफे के उपर निविदा सूचना क्रमांक तथा निविदाकर्ता का पूरा नाम/पता सहित कार्यालय में उचित माध्यम से जमा करें।

क्र0	कार्य का नाम	तादात	कार्य की अनुमानित राशि	धरोहर राशि
1	Bagpipe Black Acetyl Fully Combed & Beaded, Imitation Ivory Projecting Mount With Imitation Ivory Ferrules & Ring Caps with Canmore Zipper Air Bag Mccallum Scotland......	21 सेट	34,40,000/-	1,03,200/-
2	Snare Drum 14" Diplomat.........	08 नग		
3	Tenor Drum 18" Diplomat.......	04 नग		
4	Bass Drum 28" Diplomat..........	02 नग		
5	Band Master Stick	02 नग		
6	Band Master Shas	01 नग		

निविदा प्रापत्र अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से आवेदन पत्र (आयकर प्रमाण पत्र संहित) के साथ रूपये 750/- कोषालय में लेखा शीर्ष 0055 पुलिस मिसलिनियस रिसिप्ट, 800 के अर्न्तगत सेनानी, प्रथम वाहिनी, छसबल, भिलाई, जिला-दुर्ग छ0ग0 के नाम से जमा कर चालान की मूल प्रति सेनानी, प्रथम वाहिनी, छसबल, भिलाई, जिला-दुर्ग छ0ग0 को प्रस्तुत कर कार्यालयीन दिवस में निविदा फार्म प्राप्त किये जा सकते है।

निविदा की समय सारणी

1	निविदा फार्म जमा करने का पता	कार्यालय, सेनानी प्रथम वाहिनी छसवल, भिलाई (छ.ग.)
2	निविदा फार्म प्राप्त करने की अंतिम तिथि व समय	दिनांक 30.12.2024 को 17.00 वजे तक
3	निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय	दिनांक 21.01.2025 को समय 15.00 वजे तक
4	टेक्निकल विड जमा किये जाने का स्थान, समय एवं तिथि	कार्यालय, सेनानी प्रथम वाहिनी छसवल, भिलाई, (छ.ग.) दिनांक 21.01.2025 को समय 15.00 वजे तक
5	फायनेंसियल विड खोले जाने का स्थान, समय एवं तिथि	पृथक से सूचित किया जावेगा
6	विड की वैद्यता	31.03.2025 तक

नोट :- 01- किन्ही कारणों से यदि निविदा खोलने की तिथि को अवकाश घोषित किया जाता है, तो दूसरे कार्यालयीन दिवस पर निविदा खोली जावेगी।

02- डाक द्वारा भेजा गया निविदा स्वीकार नहीं किया जावेगा।

सेनानी,
प्रथम वाहिनी, छसबल, भिलाई

जी- 242504796/3

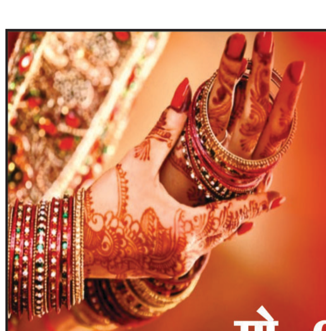

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस

फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता: 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

इन्वेस्टर्स कनेक्ट मीट में सीएम साय ने दिया उद्योगपतियों को न्योता, 15,000 करोड़ से ज्यादा के निवेश का मिला प्रस्ताव

मुख्यमंत्री साय ने कहा-छत्तीसगढ़ निवेश के लिए असीम संभावनाओं वाला राज्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नई दिल्ली में सोमवार को आयोजित इन्वेस्टर्स कनेक्ट मीट में देश के प्रमुख उद्योगपतियों और निवेशकों को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने राज्य की नई औद्योगिक नीति 2024-30 की खूबियों को साझा करते हुए इसे निवेशकों के लिए बेहद अनुकूल बताया। कार्यक्रम में शामिल हुए प्रमुख उद्योगपतियों से छत्तीसगढ़ सरकार को 15184 करोड़ के निवेश प्रस्ताव भी प्राप्त हुए। इस मौके पर सीएम साय ने निवेशकों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ निवेश के लिए असीम संभावनाओं वाला राज्य है। नई औद्योगिक नीति उद्योगों को कर, भूमि, और बिजली में छूट के साथ-साथ सिंगल-विंडो क्लीयरेंस जैसी सुविधाएं देती है। यह नीति न केवल उद्योगों की स्थापना, बल्कि रोजगार सृजन पर भी जोर देती है।

मुख्यमंत्री साय ने बताया कि छत्तीसगढ़ में कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, ऊर्जा, खनन, और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं। नई औद्योगिक नीति में विशेष सब्सिडी और प्रोत्साहन पैकेज शामिल हैं। डिजिटल सिंगल विंडो सिस्टम 2.0 से सभी स्वीकृतियां और लाइसेंस प्राप्त करना आसान हो गया है। उद्योग विभाग द्वारा सब्सिडी जारी करने के लिए अधिकतम 3 स्तर और अधिकतम 7 दिनों की समय सीमा सुनिश्चित की गई है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि उद्योग स्थापित करने हेतु भूमि उपलब्ध कराने के लिए, न्यूनतम सरकार की अवधारणा के तहत निजी औद्योगिक पार्क को 30 प्रतिशत सब्सिडी देकर प्रोत्साहित किया जा रहा है, तो वहीं दूसरी तरफ उद्योगों के लिए रेडी और विकसित प्लॉट आवेदन के 60 दिनों के भीतर सुनिश्चित कर रहे हैं।

बस्तर क्षेत्र में निवेश पर विशेष प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि बस्तर में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कोर सेक्टर की स्टील इकाइयों और अन्य उद्योगों को बड़ी राहत दी गई है। आयरन ओर पर 50 प्रतिशत और कोयले पर 100 प्रतिशत रॉयल्टी की छूट का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही, उद्योगों द्वारा चुकाए गए रॉयल्टी और राज्य को मिलने वाले सेस की प्रतिपूर्ति 15 वर्षों तक की जाएगी। इसके अलावा, ग्राम नियानार में 118 एकड़ भूमि पर एक नया औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जा रहा है।

आईआईएम के छात्र बनेंगे इन्वेस्टमेंट मैनेजर

मुख्यमंत्री ने बताया कि उद्योगपतियों को राज्य सरकार द्वारा विशेष सहूलियतें दी जा रही है। इसके लिए आईआईएम रायपुर के साथ एमओयू (समझौता) करके वहां के पास आउट छात्रों को मुख्यमंत्री औद्योगिक इंटर्नशिप के तहत इन्वेस्टमेंट मैनेजर के रूप में नियुक्त किया जा रहा है, जो घर बैठे प्रक्रियाओं को सुगम बनाएंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति में कई नए और आधुनिक तकनीकों का ध्यान रखा गया है जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस , रोबोटिक्स, ग्रीन हाईड्रोजन और डेटा सेंटर। इसके अलावा, आईटी, फ ार्मा, इलेक्ट्रॉनिक्स और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्र भी खास होंगे। इन क्षेत्रों में उद्योगों को 30 से 50 प्रतिशत तक सहायता मिलेगी। इसके अलावा कंपनियों को अपना काम शुरू करने के लिए 5 से 12 साल तक करों में छूट दी जाएगी, जिससे वे आसानी से अपना काम शुरू कर सकें।

देश के शीर्ष उद्योगपतियों ने निवेश की जताई इच्छा

कार्यक्रम में पॉलीमेटेक इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के एमडी ईश्वर नंदन ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में 1134 करोड़ निवेश का प्रस्ताव रखा जिससे 100 से अधिक रोजगार सृजित होंगे। वहीं टेलीपरफॉर्मेंस के सीओओ आशीष जौहरी ने 300 करोड़ का निवेश कर बैक ऑफिस केंद्र स्थापित करने की योजना साझा की। माइक्रोमैक्स के राजेश अग्रवाल ने सौर सेल निर्माण में 100 करोड़ निवेश का प्रस्ताव दिया। वरुण बेवरेजेज के सीईओ कमलेश जैन ने पेप्सिको बॉटलिंग प्लांट में 250 करोड़ निवेश की इच्छा जताई। टीडब्ल्यूआई ग्रुप के पुरुषोत्तम और उत्तम सिंघल ने 1650 करोड़ के निवेश का सुझाव दिया, जिससे 1000 रोजगार अवसर सृजित होंगे। पैरामाउंट कम्युनिकेशंस के प्रवीण गुप्ता द्वारा 250 करोड़ निवेश और 1000 नौकरियों की योजना साझा की गई । रिन्यू पावर लिमिटेड के सुमंत सिन्हा ने पंप स्टोरेज और ग्रीन हाइड्रोजन परियोजनाओं में 11,500 करोड़ निवेश की योजना साझा की।

उद्योग स्थापना एवं संचालन में होगा न्यूनतम सरकारी हस्तक्षेप

मुख्यमंत्री साय ने बताया हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि उद्योग स्थापना एवं संचालन में सरकारी हस्तक्षेप न्यूनतम हो एवं यथासंभव सेल्फसर्टिफिकेशन अथवा ऑनलाइन माध्यम से हो ताकि उद्योग हेतु आपको सरकार के पास आने की आवश्यकता ना हो। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने निवेशकों के सवालों का जवाब देते हुए भरोसा दिलाया कि छत्तीसगढ़ सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने राज्य में उपलब्ध बेहतर बुनियादी ढांचे, कुशल मानव संसाधन और शांतिपूर्ण माहौल के बारे में विस्तार से बताया।कार्यक्रम में उपस्थित उद्योगपतियों द्वारा छत्तीसगढ़ की पहल की सराहना करते हुए निवेश की संभावनाओं पर सकारात्मक चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने भरोसा जताया कि यह इन्वेस्टर मीट छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी।

छत्तीसगढ़ में उद्योग स्थापित करने के लाभ बताए

इस अवसर पर उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, सचिव राहुल भगत और नई दिल्ली में छत्तीसगढ़ की इन्वेस्टमेंट कमिश्नर ऋतु सेन सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इन अधिकारियों ने नई औद्योगिक नीति की खासियतों को समझाते हुए निवेशकों को छत्तीसगढ़ में उद्योग स्थापित करने के लाभ बताए। उद्योग विभाग के सचिव रजत कुमार ने उद्योगपतियों से चर्चा करते हुए बताया कि खनिज संपदा और खानों के लिए प्रसिद्ध छत्तीसगढ़ अब तेजी से इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के विनिर्माण का एक प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। राज्य अपने औद्योगिक आधार को विविधतापूर्ण बनाते हुए फार्मास्यूटिकल्स, ट्रेन शेल, टेलीविज़न और प्रकाश उपकरणों जैसे विविध उत्पादों के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

राज्य शासन के एक वर्ष पूर्ण होने पर जनादेश परब के अवसर पर महतारी वंदन सम्मेलन का हुआ आयोजन

महतारी वंदन योजना से महिलाओं के जीवन में सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण को मिल रहा बढ़ावा : वित्त मंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। राज्य शासन के एक वर्ष पूर्ण होने पर जनादेश परब के अवसर पर सोमवार को महतारी वंदन सम्मेलन राजनांदगांव के पद्मश्री गोंविद राम निर्मलकर ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वित्त मंत्री ओ. पी. चौधरी शामिल हुए। वित्त मंत्री चौधरी ने महतारी वंदन योजना के लाभार्थियों को शॉल और श्रीफल देकर सम्मान किया।

उन्होंने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत खेल, शिक्षा, कला के क्षेत्र में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं को प्रतीक चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ महिला कोष के तहत 4 महिला स्वसहायता समूहों को आर्थिक गतिविधियां संचालित करने के लिए चेक का वितरण किया गया। सुकन्या समृद्धि योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को पास बुक का वितरण किया गया।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि शासन द्वारा महिलाओं के लिए महतारी वंदन योजना सबसे महत्वपूर्ण योजना शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव के नेतृत्व में सरकार बनने के तीसरे महीने ही महतारी वंदन योजना शुरू की गई और 70 लाख माता-बहनों को महतारी वंदन योजना का लाभ दिया जा रहा है। महतारी वंदन योजना से महिलाओं के जीवन में सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है। महतारी वंदन योजना की राशि महिलाओं के सम्मान के लिए दी जा रही है। महिलाओं को परिवार और समाज में सम्मान सुनिश्चित करने वाली योजना है। वित्तमंत्री ने कहा कि घर में कोई जरूरत बच्चों की शिक्षा के लिए, बच्चों के स्वास्थ्य, अपने स्वास्थ्य जैसे छोटे-छोटे जरूरतों को महिलाएं पूरा कर पाती है।

उन्होंने कहा कि गांव-गांव, गली-गली योजना की राशि एकत्र कर सिलाई मशीन, पार्लर खोलकर जैसे अन्य महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही है। यह महतारी वंदन योजना का प्रभाव है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ ग्रामीण विकास बैंक द्वारा महतारी शक्ति ऋण योजना शुरू की जा रही है। उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों योजना का लाभ मिलेगा। इस योजना में बिना मॉर्गेज के 25 हजार रूपए का ऋण निकालकर स्वयं का व्यवसाय शुरू कर सकते है।

वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि राज्य शासन द्वारा महतारियों के लिए महतारी सदन योजना शुरू की है। योजना के अंतर्गत गांव-गांव में महतारी सदन बन जाएगा। जहां महिलाएं अपनी बैठक, कार्यक्रम एवं प्रशिक्षण कर सकते हैं। उन्होंने सभी महिलाओं को अपने बच्चों को अच्छे से पढ़ाने कहा। बच्चों को पढ़ाने से उनका सही विकास होता है। उन्होंने कहा कि माता-बहनों को सशक्त बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लखपति दीदी, ड्रोन दीदी योजना शुरू की गई है जिससे महिलाएं सशक्त हो सकें। वास्तविक अर्थों में देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना होगा।

उन्होंने कहा कि लोकसभा और विधानसभा निर्वाचन में महिलाओं के आरक्षण से महिलाओं का राजनीतिक सशक्तिकरण को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा राशन कार्ड, आवास योजना, महतारी वंदन योजना महिलाओं के नाम कर उन्हें सशक्त किया जा रहा है। इस अवसर पर आईजी दीपक झा, कलेक्टर संजय अग्रवाल, पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग, बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधिगण सहित महिला लाभार्थी उपस्थित थे।

महतारी वंदन योजना से रेणु के सिलाई कार्य में आई तेजी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। रेणु ध्रुव पति महेश्वर ध्रुव के साथ मेहनत-मजदूरी करके घर का खर्च चलाती थी। रेणु घर के कामकाज और बच्चों की देखभाल के साथ-साथ सिलाई का काम भी करती हैं। हालांकि उनके पास एक साधारण सिलाई मशीन थी जिससे काम धीमा और थकाऊ हो जाता था। फिर भी वह अपने सपनों को साकार करने की कोशिश में जुटी रहीं। इसी बीच उनके जीवन में एक नई उम्मीद लेकर आई महतारी वंदना योजना। इस योजना के तहत रेणु को हर महीने एक हजार रुपये सहायता राशि मिलने लगी।

महेश्वर ध्रुव ने रेणु ध्रुव को यह राशि उनके सिलाई कार्य में उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। पति-पत्नी ने साथ बैठकर योजना बनाई और जब नौवीं किश्त उनके खाते में आई तो उन्होंने अपनी सिलाई मशीन में इलेक्ट्रिक मोटर लगवा दी। अब उनकी साधारण मशीन एक आधुनिक इलेक्ट्रिक सिलाई मशीन बन गई।अब सिलाई व्यवसाय में भी तेजी आई है और सुविधा भी हो रही है। नई मशीन के साथ जब रेणु ने पहली बार सिलाई की तो उनकी आँखों में आत्मविश्वास और खुशी झलक रही थी। अब उनका काम न केवल तेज़ हुआ, बल्कि उनका उत्पादन भी बढ़ा।

पहले, जो काम उन्हें पूरा दिन लगता था, अब वह कुछ ही घंटों में निपटा लेती थीं। इससे उनकी आमदनी में इज़ाफा हुआ और घर की आर्थिक स्थिति बेहतर होने लगी। रेणु ने भावुक होकर कहा, महतारी वंदना योजना ने मेरे सपनों को उड़ान दी है। मैं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का तहेदिल से धन्यवाद करती हूँ। इस योजना से हम महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का मौका मिला है। मेरे पति महेश्वर ने भी मुझे हमेशा प्रोत्साहित किया, जिसके बिना मैं यह सब नहीं कर पाती।

मोदी की गारंटी और सुशासन लेकर आई है छत्तीसगढ़ सरकार-अरुण साव

उप मुख्यमंत्री ने चार नगरीय निकायों में 14.34 करोड़ के कार्यों का किया लोकार्पण और भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने आरंग में चार नगरीय निकायों में 14 करोड़ 34 लाख रुपए से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने आरंग नगर पालिका में तीन करोड़ दस लाख रुपए के 13, मंदिरहसौद नगर पालिका में 50 लाख 44 हजार रुपए के छह, चंदखुरी नगर पंचायत में दो करोड़ आठ लाख रुपए के सात और समोदा नगर पंचायत में 49 लाख 18 हजार रुपए के एक कार्य का लोकार्पण किया।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने आरंग नगर पालिका में दो करोड़ 74 लाख रुपए के 26, मंदिरहसौद नगर पालिका में दो करोड़ 55 लाख 47 हजार रुपए के 37, चंदखुरी नगर पंचायत में एक करोड़ 76 लाख रुपए के दस और समोदा नगर पंचायत में एक करोड़ 12 लाख रुपए के 15 कार्यों का भूमिपूजन भी किया। अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं आरंग के विधायक गुरु खुशवंत साहेब और लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल भी लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने लोकार्पण और भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार राज्य में मोदी की गारंटी और सुशासन लेकर आई है। आरंग क्षेत्र के साथ ही पूरे प्रदेश में विकास की गंगा बह रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास और किसानों के हित में राज्य शासन द्वारा किए जा रहे प्रमुख कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि पिछले एक वर्ष में आरंग विकासखंड के चार नगरीय निकायों चंदखुरी, समोदा, आरंग और मंदिरहसौद में नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा कुल 174 करोड़ 72 लाख रुपए के कार्य स्वीकृत किए गए हैं। क्षेत्र में विकास के ये कार्य आगे भी जारी रहेंगे।

अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं आरंग के विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले एक वर्ष में क्षेत्र के शहरों और गांवों के विकास में तेजी आई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सभी वर्गों के विकास और कल्याण के लिए सक्रियता से काम कर रही है। उन्होंने आरंग में व्यवहार न्यायालय की स्थापना के लिए उप मुख्यमंत्री तथा विधि एवं विधाई कार्य मंत्री अरुण साव को धन्यवाद दिया। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कार्यक्रम में कहा कि डबल इंजन की सरकार राज्य के विकास के लिए तेजी से काम कर रही है। उन्होंने आज लोकार्पित तथा भूमिपूजन किए गए कार्यों के लिए चारों नगरीय निकायों के लोगों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। आरंग बस स्टैंड में आयोजित लोकार्पण-भूमिपूजन कार्यक्रम में एसडीएम पुष्पेन्द्र शर्मा, तहसीलदार सीता शुक्ला और पूर्व विधायक संजय ढीढी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक तथा आरंग, मंदिरहसौद, चंदखुरी और समोदा के मुख्य नगर पालिका अधिकारी मौजूद थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950